हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 234 | प्रयागराज, गुरुवार 08 दिसम्बर , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

भारत वैश्विक मुद्दों पर जी-20 देशों के बीच सहमति बनाने का प्रयास करेगा : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान कई वैश्विक मुद्दों पर जी–20 देशों के बीच आम सहमति बनाने का प्रयास करेगा क्योंकि यह बैठक ''भू–राजनीतिक संकट, खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा और टिकाऊ विकास लक्ष्य की गति'' के व्यापक संदर्भ में आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत इस अवसर का उपयोग देश के ''श्री डी'' यानी डेमोक्रेसी, डेवलपमेंट और डायवर्सिटी (लोकतंत्र, विकास और विविधता) को रेखांकित करने के लिए करेगा। जयशंकर ने राज्यसभा में ''भारत की विदेश नीति में नवीनतम घटनाक्रमों'' विषय पर एक बयान देते हुए कहा कि सरकार जी–20 के सभी सदस्यों से भारत की अध्यक्षता में होने वाले इस आयोजन की सफलता के लिए समर्थन और सहयोग भी मांग रही है। उन्होंने कहा कि जी–20 बैठकों का आयोजन भारत की मेजबानी में होने वाले ''शीर्ष अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में से एक'' होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि जी–20 से जुड़ी बैठकें भारत में पहले ही शुरू हो चुकी हैं और देश भर में विभिन्न स्थानों पर 32 विभिन्न क्षेत्रों की ऐसी

200 बैठकों का आयोजन किया जाएगा।

जयशंकर ने कहा कि जी–20 की बैठक ''भू–राजनीतिक संकट, खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा और टिकाऊ विकास लक्ष्य की गति और कर्ज के बढ़ते बोझ'' के व्यापक संदर्भ में आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास जी–20 के भीतर आम सहमति बनाना और विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को आकार देना और साथ ही इस एजेंडे को आगे बढ़ाना है। यह समूह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 85 प्रतिशत, विश्वव्यापी व्यापार के 75 प्रतिशत और वैश्विक आबादी के दो तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि भारत को ''आजादी के अमश्त महोत्सव'' में जी–20 की अध्यक्षता मिलना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

हाल ही में इंडोनेशिया के बाली में संपन्न जी–20 की बैठक में भारत ने पूरा समर्थन व सहयोग सुनिश्चित किया था। जयशंकर ने कहा कि ध्रुवीकरण वाले माहौल में सदस्यों के बीच एक साझा आधार खोजने में भारत के योगदान की व्यापक रूप से सराहना की गई। उन्होंने कहा, ''चूंकि हम जिम्मेदारी (जी–20 की अध्यक्षता) संभाल रहे हैं, इसलिए यह भारत की अध्यक्षता की सफलता के लिए सभी जी 20 सदस्यों का समर्थन और सहयोग मांगने का भी समय है।'' इसके अलावा, उन्होंने उच्च सदन में यह भी बताया कि भारत ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल–सीसी को अगले साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा, ''जहां तक गणतंत्र दिवस समारोह का सवाल है, हमने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल–सीसी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है और उन्होंने विनम्रतापूर्वक निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।'' इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि काशी को 2022–23 के लिए पहली एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने कहा, ''इससे हमारी सदियों पुरानी ज्ञान विरासत और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी।

कोविड के कारण मौत होने पर परिजनों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जा रही : सरकार

नई दिल्ली। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार कोविड–19 से मौत होने पर पीड़ितों के परिजनों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दे रही है।

राय ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों और उच्चतम न्यायालय के आदेश का अनुसरण करते हुए कोविड–19 पीड़ितों के परिजनों को अनुग्रह राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राहत अभियानों या इसकी तैयारी से संबंधित गतिविधियों में शामिल पीड़ितों के परिजनों को भी सहायता दी जाती है। राय ने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड–19 की वजह से उत्पन्न आर्थिक बाधाओं के कारण गरीबों की कठिनाइयों को कम करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा पर भी इसके प्रभावों को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने मार्च, 2020 में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत लगभग 80 करोड़ परिवारों के लाभार्थियों को पांच किलोग्राम प्रति व्यक्ति प्रति माह की दर से अतिरिक्त निःशुल्क खाद्यान्न (चावल , गेहूं) वितरित करने की घोषणा की थी।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू, सरकार की नजर विधेयक पारित कराने पर, विपक्ष ने की चर्चा के लिये पर्याप्त समय की मांग

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र बुधवार से शुरू हो गया जिसमें सरकार की कोशिश 16 नये विधेयकों एवं अनुदान की अनुपूरक मांगों को पारित कराने की रहेगी । वहीं 17 बैठकों वाले इस सत्र में विपक्षी दलों ने महंगाई, बेरोजगारी, चीन के साथ सीमा पर स्थिति, कॉलेजियम के विषय व केंद्र राज्य के संबंध जैसे मुद्दों को उठाने व चर्चा के लिये पर्याप्त समय देने की मांग की है। संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू होकर 29 दिसंबर को समाप्त होगा। इस दौरान 17 बैठकें होंगी। बुधवार से शुरू हो रहे सत्र के दूसरे दिन आठ दिसंबर को हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव के परिणाम भी सामने आएंगे। ऐसे में शीतकालीन सत्र पर इन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम की छाया भी देखने को भी मिलेगी। संसद सत्र में सुचारू रूप से काईडीाज चलाने के उद्देश्य से चर्चा के लिये सरकार ने सोमवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई थी जिसमें 31 दलों के सदन के नेताओं ने हिस्सा लिया था। विपक्षी दलों ने महंगाई, बेरोजगारी, चीन से लगी सीमा की स्थिति, कॉलेजियम के मुद्दे से जुड़ा विषय, केंद्र राज्य संबंध एवं संघीय ढांचे का विषय एवं आर्थिक रूप से

कमजोर वर्ग को आरक्षण पर अदालती फैसले सहित कुछ अन्य मुद्दों को उठाने एवं चर्चा कराने के लिये पर्याप्त समय देने की मांग की है। सरकार ने बैठक में आश्वस्त किया कि वह लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की अनुमति से नियमों के तहत विपक्ष के उठाये मुद्दों पर चर्चा कराने को तैयार है। शीतकालीन सत्र में विपक्षी दलों द्वारा उठाये जाने वाले कई मुद्दों में प्रमुख मुद्दा पूर्वी लद्दाख में चीन से लगी सीमा की स्थिति और जांच एजेंसियों के कथित दुरूपयोग का विषय है और इन मुद्दों पर सदन में टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। सरकार की योजना सत्र में 16 नए विधेयक पेश करने की है जिनमें बहु–राज्यीय सहकारी समितियों में जवाबदेही बढ़ाने और इसकी चुनावी प्रक्रिया में सुधार से संबंधित विधेयक शामिल हैं। इस दौरान पेश किए जाने वाले विधेयकों की सूची में पुराना अनुदान (विनियमन) विधेयक, वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, तटीय जलकृषि प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक आदि भी शामिल हैं।

गोयल ने उम्मीद जतायी कि धनखड़ की अगुवाई में राज्यसभा उच्च मानक स्थापित करेगी

नई दिल्ली। राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा उच्च सदन की कार्यवाही का पहली बार संचालन किए जाने पर बुधवार को उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि उनके नेतश्त्व में उच्च मानक स्थापित किए जाएंगे। धनखड़ का स्वागत करते हुए गोयल ने कहा कि सभी सदस्यों के लिए यह खुशी और गर्व की बात है कि वह सदन के इस उच्च एवं गरिमापूर्ण पद पर विराजमान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभापति से मिलना, बातचीत करना, विचारों का आदान–प्रदान करना हमेशा खुशी देता है।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि जिस किसान पुत्र ने सदन के इस उच्च पद को संभाला है, उनके नेतश्त्व में यहां सदस्यों को इस प्रकार के खुशनुमा क्षण कई बार मिलेंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार धनखड़ ने अपने बचपन में विपरीत परिस्थितियों का सामना करके अपनी यात्रा को इस उच्च पद तक पहुंचाया, वह सदन के सभी सदस्यों के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि धनखड़ के नेतश्त्व में राज्यसभा काईडीाज के उच्च

मानक स्थापित करेगी और सभी सदस्य समाज के हर वर्ग के, बिना किसी भेदभाव के, उत्थान के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि देश में एक नयी परंपरा स्थापित हो रही है जिसमें सामान्य घरों से आने वाले लोग देश के शीर्ष पदों पर आ रहे हैं। उन्होंने इस सिलसिले में राष्ट्रपति द्रौपद्री मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि आज देश में यह उम्मीद जगी है कि किसी की जाति नहीं बल्कि उसकी क्षमता एवं कार्य से उसे उच्च पद मिल सकता है। गोयल ने कहा कि धनखड़ की चारों तरफ फैलने वाली जो हंसी है, उससे सदन को चलाने में बहुत सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि एक ऐसा कानून जिसे संसद के दोनों सदनों ने लगभग पूरी सर्वसम्मति से पारित किया, उसके बारे में सभापति ने हाल में जो टिप्पणी की है, उससे सदन के सदस्यों का गौरव और सम्मान बढ़ा है।

नर्सिंग परीक्षा पर रोक, हाइकोर्ट ने परीक्षा नियंत्रक को किया तलब

ग्वालियर। मध्यप्रदेश का बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद शासन ने बड़ी संख्या में नर्सिंग कॉलेजों की संबद्धता समाप्त की थी, इस बीच जबलपुर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने बीएससी नर्सिंग सेकंड ईयर की परीक्षा को लेकर 19 सितम्बर 2022 को अधिसूचना जारी करते हुए टाइम टेबल जारी किया था। जिसके चलते आयोजित हो रही परीक्षाओं में बड़ी संख्या में ऐसे नर्सिंग कॉलेज के छात्रों को भी शामिल किया गया था, जिनकी संबद्धता समाप्त हो चुकी थी और उनमें पढ़ने वाले छात्रों का नामांकन नहीं हुआ था। इस फर्जीवाड़े को लेकर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर बेंच में एक जनहित याचिका दायर करते हुए तत्काल रोक लगाने के साथ मामले के जांच की मांग की थी। न्यायालय ने सुनवाई के बाद अंतरिम आदेश जारी करते हुए बीएससी नर्सिंग सेकंड ईयर की परीक्षा पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश तो दिया ही साथ ही आयोजित हो चुके दो पेपर में शामिल हुए सभी परीक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं को सील्ड करने के भी निर्देश दिए है।

हंगामे से बहुत नुकसान, संसद सत्र को सार्थक बनाने के लिए हो सामूहिक प्रयास : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि संसद में हंगामे और व्यवधान के चलते देश का बहुत नुकसान होता है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से शीतकालीन सत्र को अधिक से अधिक सार्थक बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत को जी–20 की अध्यक्षता मिलना एक बहुत बड़ा अवसर है और यह समग्र रूप से भारत के सामर्थ्य को विश्व के सामने प्रस्तुत करने का मौका भी है।

प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बहुत ही अनुकूल माहौल में हुई। उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्र के दौरान इसका प्रतिबिंब देखने को मिलेगा। मोदी ने कहा कि सभी दलों के सांसद, खासकर युवा सांसद अक्सर उनसे मिलते हैं

तो बताते हैं कि सदन में व्यवधान के कारण उनका बहुत नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि ये युवा सांसद चाहते हैं कि वे लोकतंत्र के इस विश्वविद्यालय से सीखें।

उन्होंने कहा, ''जो विपक्ष के सांसद हैं, उनका भी यही कहना है कि उन्हें संसद में बोलने का अवसर नहीं मिलता है क्योंकि हंगामे के कारण सदन स्थगित हो जाता है। इसके कारण उनका बहुत नुकसान होता है।श प्रधानमंत्री ने सभी दलों के नेताओं से ऐसे सांसदों की ''वेदनाश्श को समझने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा, ''देश के विकास में उनके (युवा सांसदों) सामर्थ्य को जोड़ने के लिए, उनके उत्साह व उमंग का लाभ देश को मिलेकृ यह लोकतंत्र के लिए बहुत आवश्यक है। संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू होकर 29 दिसंबर को समाप्त होगा।

इस सत्र में 17 बैठकें प्रस्तावित हैं। शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है लेकिन इस बार यह दिसंबर के पहले सप्ताह में आरंभ हुआ है।

एमसीडी चुनाव: भाजपा की तीन महिला महापौर जीती

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर नगर निगम चुनाव लड़ने वार्ली दिल्ली की तीन पूर्व महिला महापौर को बुधवार को जीत मिली है जबकि उत्तरी दिल्ली के एक पूर्व महापौर को शिकस्त का सामना करना पड़ा। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 250 वार्ड के लिए चार दिसंबर को मतदान हुआ था और मतगणना बृहस्पतिवार को हुई। राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार अपराह्न लगभग तीन बजे तक आम आदमी पार्टी (आप) ने 130 से ज्यादा वार्ड में जीत हासिल कर बहुमत का आंकड़ा (126) पार कर चुकी थी। जबकि भाजपा को 104 सीट पर जीत मिल चुकी थी। कांग्रेस को नौ सीट पर जीत मिली जबकि तीन सीट निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गईं। एक्जिट पोल' में भाजपा को करारी हार मिलती दिख रही थी, लेकिन पार्टी ने जोरदार टक्कर दी। शुरुआती रूझान में भाजपा 'आप' से काफी आगे थी, लेकिन बाद में रुख अरविंद केजरीवाल की पार्टी 'आप' के पक्ष में हो गया। पूर्व महिला महापौर नीमा भगत, सत्या शर्मा और कमलजीत सहरावत को जीत मिली है।

एमसीडी चुनावों में आप की जीत पर उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने दिल्ली की जनता को कहा शुक्रिया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों में उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान के लिये दिल्ली की जनता को बुधवार को शुक्रिया कहा। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोगों का जनादेश था जिसके कारण "दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे नकारात्ईडी पार्टी" को हराने में मदद मिली। खबर लिखे जाने तक प्राप्त राज्य निर्वाचन आयोग के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक आम आदमी पार्टी (आप) ने बहुमत के लिये जरूरी 126 का आंकड़ा पार कर लिया था वहीं भारतीय जनता पार्टी के खाते में 99 सीटें आई हैं। कांग्रेस को सात सीटों पर जीत हासिल हुई। एमसीडी के 250 वार्ड में से आप ने 131 सीटों पर जीत हासिल कर ली थी और तीन पर उसके उम्मीदवार आगे चल रहे थे। एक्जिट पोल में भाजपा को तगड़ा झटका लगने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया था हालांकि उसने आप को अच्छी टक्कर दी और दो बजे तक उपलब्ध आंकड़ों में उसके उम्मीदवार चार वार्ड में आगे चल रहे थे। सिसोदिया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए हिंदी में किए गए एक ट्वीट में कहा, "दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी पर भरोसा करने के लिये दिल्ली की जनता का दिल से आभार दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे निगेटिव पार्टी को हराकर दिल्ली की जनता ने कट्टर ईमानदार और काम करने वाले अरविंद केजरीवाल को जिताया है। उन्होंने कहा, "हमारे लिये यह सिर्फ जीत नहीं बल्कि बड़ी जिम्मेदारी है।

एमसीडी चुनाव में जीत को 'आप' ने बताया बड़ी जिम्मेदारी, भाजपा ने 100 सीटें जिताने पर जताया आभार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को एमसीडी चुनाव में मिली जीत को जनता की जीत और बड़ी जिम्मेदारी बताया जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 100 से ज्यादा वार्ड में जीत दिलाने के लिए मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के अपेक्षा से अधिक करीबी मुकाबले में 'आप' ने 134 सीटें जीतकर भाजपा के 15 साल के कार्यकाल पर विराम लगा दिया। 250 वार्ड वाले नगर निगम में बहुमत का आंकड़ा 126 है। इससे पहले 'एग्जिट पोल' में भाजपा की करारी शिकस्त का अनुमान लगाया गया था, लेकिन पार्टी ने 104 सीट जीतकर जोरदार टक्कर दी। कांग्रेस ने सिर्फ नौ सीटें जीतीं जबकि तीन वार्ड पर निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत हुई। दिल्ली के मुख्यमंत्री और 'आप' के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आप की जीत पर दिल्लीवासियों का आभार व्यक्त किया। केजरीवाल ने यहां पार्टी कार्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे और दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए सभी दलों से एक साथ आने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा, "हमें दिल्ली की स्थिति में सुधार करना है और भाजपा, कांग्रेस के सहयोग तथा केंद्र व प्रधानमंत्री के आशीर्वाद की भी जरूरत है।" दूसरी ओर, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि 15 साल बाद भी पार्टी ने अपने काम के आधार पर अपना मत प्रतिशत बरकरार रखा है। उत्तर–पूर्वी दिल्ली से भाजपा के सांसद मनोज तिवारी ने ट्वीट किया, लगातार चौथी बार भी इतनी सीटें बीजेपी को दे कर जो दिल्ली की जनता ने विश्वास दिखाया है।

एलओसी के साथ अब एलएसी पर भी तापमान शून्य से 18 डिग्री नीचे, ड्यूटी पर सीना ताने खड़े भारतीय जवान

जम्मू। दाद देनी पड़ती है उन भारतीय जवानों की जो लद्दाख में चीनी सीमा, करगिल तथा कश्मीर के उन पहाड़ों पर अपनी डयूटी बखूबी निभा रहे हैं जहां कभी 100 तो कभी डेढ़ सौ किमी प्रति घंटा की रफ्तार से बर्फीली हवाएं चलती हैं। ऐसे में भी वे सीना तान पाकिस्तानी जवानों के साथ–साथ प्रकृति की दुश्मनी का भी सामना करते हैं। ऐसे हालात अब एलओसी के साथ ही एलएसी पर भी हैं। एक और पाकिस्तानी सेना का खतरा है तो दूसरी ओर चीन की सेना का। यह सच है कि हवा के तूफानी थपेड़े ऐसे की एक पल के लिए खड़ा होना आसान नहीं। तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे। ऊपर से भीषण हिमपात के कारण चारों ओर बर्फ की ऊंची–ऊंची दीवार। लेकिन इन सबके बावजूद दुश्मन से निपटने के लिए खड़े भारतीय जवानों की हिम्मत देख वे पहाड़ भी अपना सिर झुका लेते हैं जिनके सीनों पर वे खड़े होते हैं। कश्मीर सीमा की एलओसी पर ऐसे दृश्य आम हैं। सिर्फ कश्मीर सीमा पर ही नहीं बल्कि करगिल तथा सियाचिन हिमखंड में

भी ये भारतीय सैनिक अपनी वीरता की दास्तानें लिख रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि वीरता की दास्तानें सिर्फ शत्रु पक्ष को मार कर ही लिखी जाती हैं बल्कि इन क्षेत्रों में प्रकृति पर काबू पाकर भी ऐसी दास्तानें इन जवानों को लिखनी पड़ रही हैं। अभी तक कश्मीर सीमा की कई ऐसी सीमा चौकियां थीं जहां सर्दियों में भारतीय जवानों को उस समय राहत मिल जाती थी जब वे नीचे उतर आते थे। 23 वर्ष पूर्व तक ऐसा ही होता था क्योंकि पाकिस्तानी पक्ष के साथ हुए मौखिक समझौते के अनुरूप कोई भी पक्ष उन सीमा चौकिओं पर कब्जा करने का प्रयास नहीं करता था जो सर्दियों में भयानक मौसम के कारण खाली छोड़ दी जाती रही हैं। लेकिन करगिल युद्ध के उपरांत ऐसा कुछ नहीं हुआ। नतीजतन भयानक सर्दी के बावजूद भारतीय जवानों को उन सीमा चौकिओं पर भी कब्जा बरकरार रखना पड़ रहा है जो करगिल युद्ध से पहले तक सर्दियों में खाली कर दी जाती रही हैं तो अब उन्हें करगिल के बंजर पहाड़ों पर भी सारा साल चौकसी व सतर्कता बरतने की खातिर चट्टान बन कर तैनात रहना पड़ रहा है। और इस बार स्नो सुनामी ने उनकी दिक्कतों तो बढ़ा दिया मगर हौंसले को कम नहीं कर पाया। इस सच्चाई से कोई अनभिज्ञ नहीं कि कश्मीर, करगिल तथा सियाचिन हिमखंड जैसे सीमांत क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना भारतीय पक्ष की दुश्मन तो है ही प्रकृति सबसे बड़ी शत्रु के रूप में सामने आती है। ऐसी ही परिस्थितियों से भारतीय सेना अब तीन सालों से लद्दाख के मोर्चे पर चीनी सेना की घुसपैठ और आक्राईडी रूख के कारण सामना कर रही है। मगर इन सब बाधाओं को पार करने वालों का नाम ही भारतीय जवान है। हालांकि आधिकारिक आंकड़े इसे स्पष्ट करते हैं कि कश्मीर सीमा, चीन की सीमा तथा सियाचिन हिमखंड पर होने वाली सैनिकों की मौतों में से 97 प्रतिशत के लिए वह प्रकृति जिम्मेदार होती है जिसका मुकाबला करने की खातिर भारतीय जवान सीना तान खड़े होते हैं।

सम्पादकीय

नशीले पदार्थों पर रोक

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जांच और खुफिया एजेंसियों से कहा है कि वे वैश्विक स्तर पर सक्रिय नशीले पदार्थों के तस्कर गिरोहों की नकेल कसें तथा तस्करी रोकने के लिए कड़े कदम उठायें। यूं तो नशीले पदार्थों की तस्करी दशकों से हो रही है, लेकिन हाल के समय में बहुत बड़ी मात्रा में इन्हें देश में लाया जा रहा है। पिछले वित्त वर्ष (2021–22) में 3,463 किलोग्राम हेरोइन और 321 किलोग्राम कोकीन समेत कई तरह के नशीले पदार्थ बरामद किये गये थे। पिछले ही सप्ताह गुजरात में 143 किलोग्राम नशीली वस्तुएं पकड़ी गयी हैं। अंतरराष्ट्रीय तस्करों का हौसला इतना बढ़ गया है कि वे बड़ी खेप समुद्री जहाजों से भेजने लगे हैं। जब भी ऐसे पदार्थ पकड़े जाते हैं या तस्करी में लिप्त अपराधियों को पकड़ा जाता है, तो मीडिया में कुछ दिनों तक चर्चा होती है तथा अधिकारियों की ओर से मुस्तैदी बरतने और दोषियों को सजा दिलाने की बातें की जाती हैं, लेकिन जल्द ही मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

वित्त मंत्री ने भी इसका संज्ञान लेते हुए कहा है कि जब भी ऐसे मामले आते हैं, तो लोगों के मन में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या पकड़े गये अपराधियों को जेल भेजा गया है और कौन–से बड़े सरगना ऐसी घटनाओं में लिप्त हैं। उन्होंने यह भी सही ही कहा है कि एजेंसियां छोटे अपराधियों को पकड़ती हैं, जो पर्याप्त नहीं है। जब तक देश के भीतर और बाहर के बड़े नेटवर्कों के सरगनाओं को नहीं पकड़ा जायेगा, तब तक तस्करी की घटनाएं होती रहेंगी। तस्करी करने वाले सोना–चांदी और हथियारों की अवैध आवाजाही में भी शामिल हैं। कई मामलों में यह साबित हो चुका है कि तस्करी करने वाले गिरोह आतंकवादियों को मदद देने तथा हवाला के जरिये पैसों के लेन–देन में भी शामिल हैं।

हमारी एजेंसियों द्वारा प्रयुक्त होने वाली तकनीक की सुरक्षा भी आवश्यक है। हमारे देश पर साइबर हमलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है तथा बहुत सारे मामलों में ऐसे अपराधों के तार भी विदेशी नेटवर्कों से जुड़े हुए हैं। यदि एजेंसियों के डाटा अपराधियों के हाथ लग जायेंगे, तो उनके विरुद्ध हो रही कार्रवाइयों को धक्का लग सकता है।

सीतारमण ने एजेंसियों को सतर्क रहने को कहा है। नशीले पदार्थ का कारोबार न केवल आपराधिक कृत्य है, बल्कि यह देश के भविष्य को चोटिल करने का उपक्रम भी है। कुछ समय पहले आयी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि हमारे देश में नशे के आदी लोगों की तादाद 10 करोड़ से अधिक है। हाल के समय में यह संख्या बढ़ी है तथा इसकी चपेट में अधिकतर युवा और किशोर आ रहे हैं।

वर्तमान संसद भवन में अंतिम शीत सत्र

सात दिसंबर से शुरू हो रहा संसद का शीत सत्र वर्तमान भवन में अंतिम सत्र होगा। अगले वर्ष जनवरी में प्रारंभ होने वाले बजट सत्र से संसद की बैठकें नये संसद भवन में होंगी। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में प्रवेश करेंगे, तो 303 सांसद मोदी–मोदी का नारा बुलंद करेंगे। शीत सत्र 29 दिसंबर तक चलेगा और इसमें कुल 17 कार्यदिवस होंगे। यह पहला अवसर है, जब शीत सत्र की अवधि को घटाया गया है। यह सत्र इसलिए भी ऐतिहासिक होगा कि सांसद अपने मोबाइल फोन से उपस्थिति पंजिका पर ई–सिग्नेचर कर सकेंगे। लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला ने 95 प्रतिशत सफलता के साथ लोकसभा को कागज रहित बना दिया है। सत्रहवीं लोकसभा का यह 10वां सत्र है। यह पहला शीत सत्र होगा, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर 18 देशों की अपनी यात्रा के बारे में बयान देंगे। यह सत्र इसलिए भी विशेष होगा कि प्रधानमंत्री मोदी एक और शानदार उपलब्धि के साथ सत्र में शामिल होंगे कि भारत जी–20 समूह का अध्यक्ष बना है तथा जुलाई में शंघाई सहयोग संगठन की भी अध्यक्षता संभालेगा। यह सब भारत के विश्व शक्ति बनने के संकेतक हैं। भाजपा के शब्दों में कहें, तो भारत विश्व गुरु होगा। यह पहला सत्र होगा, जब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राज्यसभा के सभापति के रूप में सदन का संचालन करेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद उनके साथ कैसा बर्ताव करेंगे। राजनीतिक पर्यवेक्षक जानते हैं कि जब वे राज्यपाल थे, तब उनके और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच रिश्ते अच्छे नहीं थे। इस सत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी अनुपस्थित रहेंगे। यह देखना होगा कि तृणमूल, द्रमुक, टीआरएस, जद(यू) जैसी क्षेत्रीय पार्टियों का क्या रवैया होगा। चिराग पासवान पर भी निगाहें रहेंगी। द्रमुक राज्यपालों की अनावश्यक शक्तियों का मुद्दा उठाने के लिए तैयार है। अभी तीन राज्यपाल अपने मुख्यमंत्रियों के साथ समुचित बर्ताव नहीं कर रहे हैं, तो तीन क्षेत्रीय दल राज्यपालों को कारण बताओ नोटिस देने के लिए तैयार हैं। तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल के राज्यपाल रोजमर्रा के प्रशासनिक कामों में दखल दे रहे हैं। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान कुलपतियों की नियुक्ति जैसी अपनी शक्तियों का बेजा फायदा उठा रहे हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि नीट और ऑनलाइन खेलों से जुड़े अनेक विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं। द्रमुक का आरोप है कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा का प्रचार–प्रसार कर रहे हैं। तेलंगाना के राज्यपाल डॉ टी सुंदरराजन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की खीझ का कारण बनी हुई हैं। वे द्रमुक सरकार पर भी टिप्पणी करती रहती हैं। विपक्ष इस सत्र में राज्यपालों की शक्तियों पर चर्चा की मांग करने के लिए तैयार है। यह तो निश्चित है कि दोनों सदनों में हंगामा होगा। कांग्रेस के नेता भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त हैं। यह आधिकारिक रूप से कह दिया गया है कि राहुल गांधी इस सत्र में नहीं शामिल होंगे। लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। विपक्ष मोरबी पुल हादसे के मुद्दे को भी उठायेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों में चीन के जासूसी जहाज, यूक्रेन युद्ध और क्वाड आदि पर चर्चा की उम्मीद है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ट्वीट कर बताया है कि इस अमृत काल में उन्हें विधायी कार्यों और अन्य मुद्दों पर रचनात्मक चर्चा की आशा है। क्या सुचारु ढंग से सदन चलाने में विपक्ष सरकार का साथ देगा? कुछ ऐसे महत्वपूर्ण विधेयक हैं, जिन्हें सरकार पारित कराना चाहेगी। इस शीत सत्र के दौरान मोदी सरकार लगभग 16 नये विधेयकों को सदन के पटल पर रख सकती है। प्रस्तुति, विचार तथा पारित करने के लिए प्रस्तावित विधेयकों में ट्रेड मार्क (संशोधन) विधेयक तथा दंत चिकित्सा विधेयक भी शामिल हैं। ट्रेड मार्क विधेयक में मैड्रिड पंजीकरण सिस्टम के आयामों को सम्मिलित करने, कारण बताओ नोटिस जारी करने और सुनवाई प्रक्रिया तथा ट्रेड मार्क कार्यालय द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संचार व्यवस्था अपनाने से संबंधित प्रावधान हैं। दंत चिकित्सा विधेयक पारित होने के बाद दंत चिकित्सक कानून, 1948 का स्थान लेगा तथा इसके प्रावधान के तहत एक राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग का गठन किया जायेगा। जो विधेयक पहले ही पेश किये जा चुके हैं, उन पर चर्चा होगी तथा उन्हें पारित कराने का प्रयास होगा। इसमें सामुद्रिक पाइरेसी निरोधक विधेयक, 2019 तथा नयी दिल्ली अंतरराष्ट्रीय आर्बिट्रेशन सेंटर (संशोधन) विधेयक, 2022 भी शामिल हैं। संसद के दोनों सदनों में उन पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि दी जायेगी, जिनकी मृत्यु पिछले सत्र के बाद हो गयी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मृत्यु अक्तूबर के महीने में हो गयी। यदि मैनपुरी उपचुनाव में डिंपल यादव मामूली अंतर से जीतती हैं, तो 2024 में मोदी–योगी का डबल इंजन समाजवादी पार्टी को परास्त कर देगा। इस सत्र में यह आख्यान भी जोर पकड़ेगा कि विपक्ष बहुत कमजोर है। इससे अगले लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर चिंतित भाजपा खेमे को राहत मिलेगी। **–आर राजागोपालन**

आज का राशिफल

मेष :– कार्य–पेशे में कुछ नई तब्दीली रुचिकर लगेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भविष्य की चिंता बढ़ेगी फिर भी कुछ नये आसार आत्मबल में वशद्धि करेंगे। घर में खुशहाली रहेगी।

बृषभ :– अत्याधिक कर्जभार से मन परेशान होगा। कुछ नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। रोजगार में व्यस्तता संभव। अत्याधिक पारिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी।

मिथुन :– महत्वपूर्ण दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। नई दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। कानूनी मामलों में कठिनाइयां संभव। तामसिक विचारें पर नियंतग्रखें।

कर्क :– नये संबंधों के साथ आपकी सहज घुलसशीलता प्रशंसनीय है। कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने का प्रयत्न करें। बिना वजह दूसरों की अलोचना न करें। आलस्य कतई न करें।

सिंह :– सगे–संबंधियों के सहयोग से उत्साह का संचार होगा। किसी रचनात्मक कार्य के प्रति रुचि पैदा होगी। पुराने संबंधों के भावनात्मक स्मरण से मन भावुक होगा। राजकीय क्षेत्र कुछ परिवर्तन के आसार बनेंगे।

कन्या :– महत्वपूर्ण कार्य के प्रति समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन केंद्रित होगा। नई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनेंगी किंतु समुचित साधन न होने से पूर्ति में अवरोध होगा। पुराने संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

तुला :– अच्छी कल्पनाएं मन पर प्रभावी होंगी परन्तु अपने मन को लक्ष्य से न भटकने दें। व्यावसायिक क्षेत्र में संबंधों का लाभ उठाएंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न तीव्र होगा।

वृश्चिक :– उच्चस्तरीय लोगों के सानिध्य से मनोबल मजबूत होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

धनु :– आलस्य निजी महत्वपूर्ण दावित्वों की पूर्ति में बाधक होगा। मानसिक अवसाद व कार्य–पेशे में अरुचि से आर्थिक संकट की आशंका बनेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मकर :– आर्थिक सबलता हेतु मन नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कोई अचल सम्पत्ति संबंधी तनाव मन को चिंतित करेगा। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जरूरी कायरे में कतई देरी न करें।

कुंभ :– पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। अच्छी सोच का लाभ प्राप्त करेंगे। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन में चिंता होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य के प्रति चिंताएं समाप्त होंगी।

मीन :– समय व स्थिति के साथ अपने स्वभाव में थोड़ा लचीलापन लाने का प्रयास करें। क्षमता से अधिक कार्यों का बोझ से बोझिल होंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता के क्षेत्र मे सफलताएं मिलेंगी।

डॉमिनिक लैपिएर जैसे सच्चे लेखक का जाना

लापिएर और कॉलिंस दिल्ली में गांधी जी के करीबी सहयोगी बश्ज कृष्ण चांदीवाला से लेकर कुलदीप नैयर, खुशवंत सिंह, राजनेता डॉ करण सिंह और ओबेराय होटल के मालिक एमएस ओबराय से मिल रहे थे। इस पुस्तक ने बाजार में आते ही तहलका मचा दिया था। तथ्यों को रोचक शैली में पेश करने में फ्रीडम एट मिडनाइट अतुलनीय पुस्तक के रूप में याद की जाती है। रेलवे बोर्ड के पूर्व मेंबर डॉ रविंद्र कुमार अपने प्रिय लेखक डॉमिनिक लैपिएर के निधन का समाचार सुन उदास हो गये। उन्हें याद आ रहा था गुजरा हुआ दौर, जब 1977 में प्रगति मैदान के बुक फेयर में उन्हें फ्रीडम एट मिडनाइट पर लैपिएर का आटोग्राफ लेने का मौका मिला था। उस बुक फेयर में लैपिएर ही थे। उन्हें पाठकों ने घेर रखा था। उनसे प्रश्न पूछे जा रहे थे। वे तब कितने खुश थे। अब बस यादें बची हैं। डॉमिनिक लैपिएर फ्रीडम एट मिडनाइट को लिखने के दौरान रामकृष्ण डालमिया की पत्नी दिनेश नंदिनी डालमिया से भी मिले। उन्होंने ही लैपिएर को बताया था कि उनके पति ने करीब ढाई लाख रुपये में मोहम्मद अली जिन्ना से उनका 10 औरंगजेब रोड (अब एपीजे अब्दुल कलाम रोड) का बंगला खरीदा था। उसे खरीदने के बाद उसे गंगाजल से धुलवाया भी था। इस तथ्य को किताब में जगह मिली। इन छोटे–छोटे, पर अहम तथ्यों को शामिल करने से उनकी किताब को पाठकों ने हाथों–हाथ लिया था। फ्रीडम एट मिडनाइट को आगे चलकर हिंद पॉकेट बुक्स ने श्आजादी आधी रात को नाम से हिंदी में छापा। इसे भी पाठकों ने खूब पढ़ा। आजादी आधी रात को में सनसनीखेज खुलासा किया गया था कि अगर भारत के अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को पता चल गया होता कि जिन्ना 'सिर्फ कुछ महीनों के मेहमान' हैं, तो वे बंटवारे के बजाय जिन्ना की मौत की प्रतीक्षा करते। हालांकि यह बात सिर्फ जिन्ना के हिंदू डॉक्टर को पता थी, जिसने अपने मरीज के साथ विश्वासघात नहीं किया। डॉमिनिक लैपिएर दिल्ली में अशोक होटल या ईपीरियल होटल में ही ठहरते थे। वे यहां पर हिंद पॉकेट बुक्स और फुल सर्किल पब्लिशिंग हाउस के मैनेजिंग डायरेक्टर शेखर मल्होत्रा के मेहमान होते थे। वे जब तक दिल्ली में रहते, शेखर मल्होत्रा के जोर बाग वाले घर में लेखकों और पाठकों के बीच संवाद जारी रहता। लैपिएर अपनी लेखन यात्रा पर बात करते। शेखर मल्होत्रा अपने दोस्तों, लेखकों और किताबों के शैदाइयों को उनसे मिलने के लिए बुला लेते। शेखर मल्होत्रा ने डॉमिनिक लैपिएर की किताब फाइव पास्ट मिडनाइट को भारत में लांच किया था।

यह किताब भोपाल गैस त्रासदी की कहानी बयां करती है। इसका दिल्ली में विमोचन भी हुआ था। विश्व की भीषणतम औद्योगिक दुर्घटना या विभीषिका पर यह कालजयी पुस्तक है। इसे उन्होंने अपने साथी जेवियर मोरो के साथ मिलकर लिखी थी। उन्होंने श्भोपाल विभीषिकाश पर लिखी पुस्तक की सारी रॉयल्टी प्रकाशन के बाद से ही गैस पीड़ितों के कल्याण के लिये देने की घोषणा कर दी थी। डॉमिनिक लैपिएर की दो पुस्तकें ओश्जेरुसलम और इज पेरिस बर्निंग अपने प्रकाशन वर्षों में बेस्ट सेलर रही हैं। तीन दिसंबर को भोपाल गैस त्रासदी की बरसी थी और चार दिसंबर को इस महान लेखक ने दुनिया से प्रस्थान किया। डॉमिनिक लैपिएर के दिल्ली के सबसे करीबी मित्र शेखर मल्होत्रा का कोरोना के कारण 2021 में निधन हो गया था। वे प्रकाशक और किस्सागो दोनों थे। अपने पिता दीनानाथ मल्होत्रा की 2017 में मृत्यु के बाद से वे ही अपने परिवार का सारा प्रकाशन का काम देख रहे थे।

डॉमिनिक लैपिएर ने सिटी ऑफ जॉय नामक एक प्रसिद्ध उपन्यास भी लिखा। यह कोलकाता के जीवन, उसके सुख–दुख पर गहरी नजर डालता है। लैपिएर और उनकी पत्नी दोनों विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए सहायता, प्रेम, सहानुभूति रखते थे। वर्ष 1985 में आयी उनकी किताब सिटी ऑफ जॉय कलकत्ता (आज का कोलकाता) के एक रिक्शा वाले की कहानी है जो भारत में बेहद लोकप्रिय हुई। उन्होंने अपनी पुस्तक से हुई कमाई को भारत में टीबी तथा कोढ़ से ग्रस्त मरीजों के इलाज पर खर्च किया था। वर्ष 2005 में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा था कि उनकी किताब से हुई कमाई से 24 वर्ष में करीब 10 लाख टीबी मरीजों का इलाज संभव हो सका तथा कोढ़ ग्रस्त करीब 9,000 बच्चों की देखभाल की जा सकी। **–विवेक शुक्ला**

रोहिणी का अनुकरणीय त्याग

खुशी की बात है कि राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक हो गया। उनके परिजनों ने सोमवार को जानकारी दी थी कि सिंगापुर में उनका आपरेशन कामयाब रहा। अभी वे कुछ दिन अस्पताल में ही स्वास्थ्य लाभ करेंगे। लालू प्रसाद यादव के स्वस्थ होने की कामना उनके परिजनों और पार्टी कार्यकर्ताओं समेत देश के बहुत से लोग कर रहे थे। पिछड़ी जातियों को राजनीति के जरिए सशक्त करने और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने एक सफल राजनैतिक पारी खेली और जब वे सक्रिय रूप से मैदान में नहीं थे, तब भी उनका असर किसी न किसी तरह दिख ही जाता था। दरअसल मौजूदा दौर की राजनीति में धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के साथ डटकर खड़े होने और अन्याय के खिलाफ बोलने की कीमत चुकाने वाले बहुत कम नेता बच गए हैं, लालू जी उनमें से एक हैं। इसलिए उनके शुभचिंतक और अनुयायी चाहते हैं कि वे स्वस्थ होकर शीघ्र वतन वापस आ जाएं। लालू प्रसाद को नया जीवन देने में कुशल डॉक्टरों के साथ–साथ उनकी बेटी रोहिणी आचार्य का अतुलनीय योगदान रहा है। सिंगापुर में अपने परिवार के साथ रह रहीं रोहिणी ने अपने पिता को एक किडनी दान दी है। मानव शरीर में किडनी या गुर्दे का काम रक्त के शुद्धिकरण का होता है। एक स्वस्थ व्यक्ति में किडनी के काम करने की क्षमता 90 मिलीलीटर प्रति मिनट से ऊपर होनी चाहिए। अगर ये 15 मिलीलीटर प्रति मिनट से नीचे जाए, तो डायलिसिस या ट्रांसप्लांट की सलाह दी जाती है। ट्रांसप्लांट का मतलब है किसी अन्य व्यक्ति के शरीर की दो किडनियों में से एक किडनी को मरीज के शरीर में लगा देना। मरीज की दोनों किडनियां वहीं मौजूद रहती हैं, और तीसरी किडनी अलग से प्रत्यारोपित की जाती है। किडनी दान दो तरह से होता है, एक तो मरीज के सगे संबंधी किडनी दे सकते हैं, और अगर परिजन किसी वजह से न दे पाएं, तो मरीज के मित्रों–परिचितों में जो स्वेच्छा से किडनी देना चाहे। दूसरा तरीका उस व्यक्ति की किडनी लगाने का हो सकता है, जिसकी मृत्यु हो गई हो या वह ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया हो। चिकित्सा विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि अब अंगदान के जरिए मरीज को नया जीवन मिल सकता है। हृदय, नेत्र, किडनी, फेफड़े ऐसे तमाम अंगों को मृतक के शरीर से निकालकर बीमार व्यक्ति के शरीर में लगाने का चमत्कार अब विज्ञान के जरिए संभव है। ऐसे कई प्रकरण सामने आए हैं, जब अपने किसी प्रिय की मौत के बाद परिजनों ने मृतक के अंगों को दान देने का फैसला किया, और उस वजह से किसी अन्य व्यक्ति को नई धड़कनें मिलीं, किसी को नयी नेत्रज्योति। इस तरह एक इंसान इस संसार के विदा होकर भी किसी न किसी रूप में जिंदा रहा और जो बीमारी के कारण मौत के मुंह में जा रहा था, उसे फिर से जीने का मौका मिला। अंगदान के इस महत्व के बारे में जागरुकता फैलाने का काम सरकारी और गैर सरकारी संगठन करते हैं। यही वजह है कि अब बहुत से लोग इसके लिए स्वेच्छा से आगे आ रहे हैं। कानून के मुताबिक, किडनी प्रत्यारोपण व्यावसायिक कारणों के लिए नहीं होना चाहिए। वहीं मृत या ब्रेन डेड ठहराए गए शख्स के परिवार से अनुमति और आधिकारिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद किडनी ली जा सकती है। दान देने वाला व्यक्ति 18 साल से ऊपर और स्वस्थ होना चाहिए। यह पुष्टि भी जरूरी है कि व्यक्ति किसी दबाव में किडनी न दे रहा हो। किडनी ट्रांसप्लांट का फै सला लिए जाने के बाद अस्पताल की जांच समिति ये तय करती है कि डोनर कौन हो सकता है। इसके बाद समिति राज्य की मंजूरी के लिए इसे भेजती है और उसकी स्वीकृति लेती है। यहां भी पूरी पड़ताल होने के बाद ट्रांसप्लांट की अनुमति दी जाती है। अगर मरणोपरांत अंगदान हो रहा है तो ऐसे मरीज जिनका नाम अस्पताल की प्रतीक्षा सूची में होता है उसे किडनी नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन या उसके अंतर्गत आने वाली क्षेत्रीय या राज्य ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन जैसी संस्थाओं की सहमति के बाद सूची के हिसाब से अंग उपलब्ध कराया जाता है। कहने का आशय यह कि अंगदान पूरी कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होता है। लेकिन इस वैज्ञानिक तरक्की को अभिशाप में बदलने की कुत्सित मानसिकता भी समानांतर चल रही है। ऐसे कई गिरोह खड़े हो चुके हैं, जो गरीबों की मजबूरी का फायदा उठाकर अंगदान को व्यापार में बदल कर लाखों–करोड़ों की कमाई करते हैं। कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जब पुलिस किसी किडनी बेचने और खरीदने वाले गिरोह का पर्दाफाश करती है। कम पढ़े–लिखे या अंगदान के लिए बने कानूनों से अनभिज्ञ लोगों को अंगों की दलाली करने वाले पैसे का लालच देकर उनकी मजबूरी का फायदा उठाते हैं और कई बार उन्हें नशे का शिकार बनाकर चोरी से उनका ऑपरेशन कर अंग निकाल लेते हैं। इस अपराध में कई बार डाक्टर, लैब टेक्नीशियन भी शामिल होते हैं, जो अपने पेशे से बेईमानी करते हैं। किडनी जैसे अंगों का व्यापार केवल भारत ही नहीं विदेशों तक में किया जाता है और ऐसे हर सौदे में लाखों की कमाई होती है, जिसका मामूली हिस्सा पीड़ित को मिलता है और कई बार वो भी नहीं। अंगों की चोरी या धोखे से व्यापार की अप्रिय घटनाओं के बीच यह देखना सुखद है कि कैसे एक बेटी अपने वृद्ध पिता को सहर्ष अपना एक अंग देने आगे आई। रोहिणी आचार्य ने लिखा भी कि ये तो बस मांस का एक छोटा सा टुकड़ा है जो मैं अपने पापा को देना चाहती हूं। पापा के लिए मैं कुछ भी कर सकती हूं। रोहिणी के इस कदम की सब ओर सराहना हो रही है। जिन लोगों को बेटी के होने पर मलाल होता है, जो बेटियों को अवांछित बोझ समझते हैं। रोहिणी के त्याग से शायद उन लोगों की मानसिकता बदल जाए।

सरकारों के लिए उपचुनाव के नतीजे अहम

विधानसभा की छह और लोकसभा की एक सीट पर उपचुनाव पांच राज्यों की सरकारों के लिए बड़ी चुनौती हैं। इनमें से तीन राज्य ऐसे हैं, जहां अगले एक से डेढ़ साल में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले यह संभवतरू आखिरी उपचुनाव है। इन उपचुनावों में जो पार्टी जीतेगी वह अपनी हवा बनाएगी और उससे चुनाव का मूड जाहिर होगा। ये तीन राज्य हैं– राजस्थान, छत्तीसगढ़ और ओडिशा। इनमें से राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अगले साल विधानसभा के चुनाव हैं और ओडिशा में डेढ़ साल के बाद लोकसभा के साथ चुनाव हैं।ओडिशा का मामला और दिलचस्प है क्योंकि पिछले महीने नवंबर में हुए उपचुनाव में भाजपा ने सत्तारूढ़ बीजू जनता दल को हरा कर जीत हासिल की थी। भद्रक इलाके में आने वाली धामनगर विधानसभा सीट पिछले चुनाव में भाजपा ने जीती थी और उपचुनाव में भी उसने यह सीट जीत ली। इस लिहाज से यह बड़ी बात नहीं होनी चाहिए थी लेकिन बीजू जनता दल का रिकॉर्ड है कि वह 2009 के बाद हर उपचुनाव में जीती है। सो, धामनगर हारने के बाद वह सावधान हो गई और पद्मपुर सीट पर बेहतर रणनीति के साथ लड़ी है। पद्मपुर सीट पर बीजद विधायक बिजय रंजन सिंह बरिहा जीते थे, जिनके निधन से यह सीट खाली हुई है। इसलिए बीजद के लिए यह और प्रतिष्ठा वाला मुकाबला है।राजस्थान की सरदारशहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुआ है। यह सीट पिछले चुनाव में कांग्रेस ने जीती थी और कांग्रेस के भंवरलाल शर्मा के निधन से सीट खाली हुई है। पार्टी में चल रही गुटबाजी और प्रभारी महासचिव अजय माकन के इस्तीफे के बीच चुनाव हुआ है। अशोक गहलोत सरकार के लिए यह सीट बहुत प्रतिष्ठा वाली है। ऐसे ही छत्तीसगढ़ की भानुप्रतापपुर सीट कांग्रेस के मनोज सिंह मांडवी के निधन से खाली हुई थी। सो, भूपेश बघेल सरकार के लिए भी यह सीट बचाने की बड़ी चुनौती है।

बिहार में एक और उत्तर प्रदेश में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ है और लोकसभा की एक सीट पर भी उपचुनाव हुआ है। लेकिन दोनों राज्य सरकारों के लिए यह मामला वैसा नहीं है, जैसा बाकी तीन राज्यों में था। बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 के अंत में होना है और उत्तर प्रदेश में तो विधानसभा अभी आठ महीने पहले ही बनी है। इसके बावजूद दोनों राज्यों में सत्तारूढ़ दल ने पूरी ताकत लगाई। उपचुनाव के प्रचार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी गए तो बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी सहयोगी पार्टी राजद के नेता व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ जाकर कुढनी में चुनाव प्रचार किया। यह सीट उनके लिए प्रतिष्ठा वाली इसलिए है क्योंकि राजद ने अपनी जीती हुई सीट उनकी पार्टी जदयू के लिए छोड़ी थी। राजद के अनिल कुमार सहनी के अयोग्य होने से यह सी खाली हुई थी। इस सीट के नतीजे का बिहार की राजनीति पर बड़ा असर होगा।

मिलिंडा फ्रेंच गेट्स ने विधानसभा गलियों में उकेरे चित्र का किया अवलोकन,संस्था को सहयोग देने की अपील

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में मिलिन्डा गेट्स फांउडेशन की सह संस्थापक मिलिंडा फ्रेंच गेट्स बुधवार को विधानसभा पंहुची। जिसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने कार्यालय कक्ष में पुष्प गुच्छ भेंटकर मुलाकात की। विधानसभा अध्यक्ष ने मुलाकात के दौरान मिलिन्डा फ्रेंच गेट्स को सुझाव दिया कि वह उप्र विधान सभा के सदस्यों को अपने कार्यक्रमों में भागीदारी करा सकती हैं। श्री महाना ने कहा कि विध ाान सभाओं एवं सभी विधायिकाओं के सदस्य, फाउंडेशन के विभिन्न कार्यक्रमों को जनता तक पहुँचाने का कार्य कर सकते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन को बताया कि उप्र जैसी वृहद विधान सभा की वर्तमान 18वीं विधान सभा में बहुत से सदस्य इंजीनियर्स, शोध धारक एवं विधि स्नातक सदस्य के रूप में निर्वाचित होकर आए हैं। इन सभी सदस्यों को बिल गेट्स एवं मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन के कार्यक्रमों के बारे में बताया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिससे वह उन सबकी जानकारी निचले स्तर तक दे सकते हैं। साथ ही अपने विधान सभा क्षेत्र में वह उन कार्यक्रमों को लागू कर इस पर प्रभावी कार्य कर सकते हैं। वहीं मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की भी चर्चा हुई। मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा भारत में शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के बारे में चर्चा की गई। इस मौके पर मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की मिलिंडा फ्रेंच गेट्स ने आश्वासन दिया कि वह उप्र विधान सभा एवं देश के अन्य सदस्यों से अपने कार्यक्रमों की चर्चा करेंगे। जिससे उनका अधिक प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा सके।मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा अध्यक्ष के सुझाव का स्वागत किया और उन्होंने कहा कि वह दुनिया के अन्य देशों में भी वहाँ की विधायिकाओं को इसी प्रकार की अपनी योजनाओं में समाहित करेंगे। श्री महाना ने मिलिंडा गेट्स को बताया कि उप्र विधान सभा पेपरलेस है और यहाँ पर ई–विधान योजना लागू की जा चुकी है। मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन एवं उनकी टीम ने विधान सभा के गलियारों का भी भ्रमण किया, जहाँ पर विधान सभा में स्थापित किए गए तैल चित्रों को देखा और उन्होंने विधान सभा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इसके तत्पश्चात उन्होंने अध्यक्ष से भेंट करके फाउंडेशन के कार्यों में उनका सहयोग लेने के लिए अपील की।

डीएम ने जनता दरबार मे सुनी जन समस्याएं

jk;cjiyhA जिलाधिकारी माला श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट कक्ष में जनसुनवाई के दौरान ग्राम महमूद अली का पुरवा नसीराबाद तहसील सलोन से आये हुए एक फरियादी द्वारा शिकायत की गई कि उसकी पुरानी दीवार कुछ लोगो द्वारा दबंगई करके गिरा दी गई है और जमीन पर कब्जे किया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम सलोन को जांच आदि कर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान आए हुए अन्य फरयादियों की भी समस्याओं को सुना तथा सम्ब.न्धित अधिकारियों को शिकायतों को तत्काल निराकरण करें के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई, तहसील समाधान दिवस, थाना दिवस आदि पर प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लें तथा निराकरण समयबद्ध के साथ ही गुणवत्तापरक एवं मानक के अनुरूप शिकायत को गंभीरता पूर्वक निस्तारण करायें। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों को लंबित न रखा जाए, शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जिलाधिकारी सभी अधि ाकारियों को निर्देश कि सरकार की मंशा के अनुरूप नियमानुसार कार्यवाही करें।

छात्र रोनिल हत्याकांड: प्रेम संबधों के शक में प्रेमी ने छात्र को उतारा था मौत के घाट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। श्याम नगर डी ब्लॉक के रहने वाले वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर के इंटर के छात्र रोनिल सरकार की हत्या के 36 दिन बीतने के बाद अब उनके माता–पिता को इंसाफ मिल गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी की नई टीम और बेंगलुरु से शहर पहुंची विशेषज्ञों की टीम को आखिरकार सफलता मिल ही गई। इस हत्याकांड के खुलासे में बेंगलुरु से आई टीम को कई अहम सबूत मिले हैं।ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने बुधवार को खुलासा करते हुए बताया कि प्रेम संबंधों के शक में ही छात्र रोनिल को मौत के घाट उतारा गया। कमिश्नरेट पुलिस ने पूरे वैज्ञानिक साक्ष्यों के साथ खुलासा कर दिया है। घटना की पूरी गहनता और साक्ष्यों के आधार पर जांच करने के बाद पुलिस ने हत्यारोपी विकास को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में विकास ने अपना पूरा गुनाह कबूल करते हुए पूरा घटनाक्रम भी बयां किया है।रोनिल को अपना भाई मानती थी छात्रा रोनिल सरकार साल 2021 में श्यामनगर स्थित एक कंप्यूटर कोचिंग में पढ़ाई करता था। वहीं पर उसकी मुलाकात हरजेंदर ने एक बालिका

विद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा से हो गई। दोनों में वहीं पर दोस्ती हो गई और बातचीत भी शुरू हो गई। इसी बीच छात्रा की मुलाकात श्यामनगर चौराहे पर लगने वाली लुधियाना सेल में काम करने वाले विकास यादव (23 वर्ष) पुत्र राजेश यादव निवासी भल्ला टटिया सी ब्लाक श्याम नगर से हो गई। दोनों के बीच दोस्ती और प्रेम सम्बंध हो गये।पूछताछ में विकास ने बताया कि उसे शक था कि रोनिल सरकार और छात्रा के बीच प्रेम सम्बंध ा हैं। इसे लेकर वह छात्रा से एतराज करता था। कई बार विकास ने जब छात्रा को फोन किया तो उसका फोन वेटिंग में भी आता था। एक दिन विकास ने छात्रा के सामने शादी का प्रस्ताव रखा तो उसने मना कर दिया। छात्रा के मना करने के पीछे भी विकास को लगा की शायद रोनिल ने ही छात्रा को भड़काया होगा। छात्रा से विकास ने इस बात को कहा तो छात्रा ने रोनिल को राखी बांधते हुए अपनी फोटो स्टेटस में लगा ली। छात्रा ने विकास से कहा कि वह रोनिल को अपना भाई मानती है उन दोनों के बीच प्रेम संबध ा जैसी कोई बात नहीं है। मगर इसके बाद भी विकास को विश्वास नहीं हुआ। तब से विकास रोनिल को रास्ते से हटाने की फिराक में था।

संक्षिप्त खबरे

लविवि के विधि छात्र ने दी पीएचडी की मौखिकी परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो.डॉ.आरके सिंह के शोध छात्र उग्रसेन वर्मा की पीएचडी की मौखिकी की परीक्षा बुधवार को संपन्न हुई।मौखिकी के लिए बतौर एक्सपर्ट प्रो.डॉ.रंजन कुमार संकायाध यक्ष,विधि विभाग महात्मा गांधी विद्यापीठ उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधि ा संकाय के अध्यक्ष प्रो. बी.डी.सिंह एवं प्रो.सीपी सिंह प्रो.आरके वर्मा प्रो.सतीश चंद्र पांडेय डॉ. राजेंद्र चौरसिया एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

घर में घुसकर मारपीट का आरोप

लालगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के मेंरुई गांव में जमीनी विवाद को लेकर घर में घुसकर मारपीट की घटना हुई है ।मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना में पीड़ित महिला श्रीमती रिंकी सिंह पत्नी ललन सिंह ने गांव के ही सुमित कुमार, श्रीमती दुर्गावती और रीतू देवी के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगाया है। महिला की माने तो उसका और प्रतिपक्षी गणों से जमीनी विवाद चल रहा है। उसी मामले में दबाव बनाने के लिए विपक्षियों ने एक राय होकर उसे घर में घुसकर मारा पीटा है। मामले की विवेचना दरोगा वकील खान कर रहे हैं है।

रास्ता दिलाये जाने की गुहार

ऊंचाहार,रायबरेली। ग्राम पंचायत की जमीन पर रास्ता न होने से करीबन 50 परिवारों को आवागमन में समस्या उत्पन्न होती है, जिसको लेकर क्षेत्र पंचायत सदस्य ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर रास्ता दिलाये जाने की गुहार लगाई है।मामला क्षेत्र के अरखा ग्राम पंचायत के अंतर्गत बन्धवा का है, जहां रहने वाले 50 दलित परिवारों के लिए कोई सुगम रास्ता नहीं है जिससे उनको आवागमन में परेशानी होती है और ,जिसको लेकर क्षेत्र पंचायत सदस्य आशीष पांडेय ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर सार्वजनिक रास्ता दिलाये जाने व रास्ते की भूमि पर हो रहे कब्जे को रोकने की गुहार लगाई है।एसडीएम आशीष मिश्र ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है मामले की जांच कराकर उचित कार्यवाही की जायेगी।

दरोगा पर अभद्रता व मारपीट का आरोप

ऊंचाहार,रायबरेली। बाइक से अपने पिता की दवा कराने जा रहे है एक युवक ने टोल प्लाजा पर तैनात एक दरोगा पर अभद्रता करने व मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से मामले की शिकायत की है।कोतवाली क्षेत्र के गांव अरखा निवासी दीपू पंडित का कहना है कि वो अपने पिता राजेंद्र उपाध्याय को बाइक से लेकर बुधवार की सुबह दवा कराने एम्स अस्पताल जा रहा था, आरोप है कि चड़रई चौराहे पर स्थित टोल प्लाजा पर तैनात दरोगा ने उसे रोककर गाली गलौज करते हुए मारपीट की है।पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजकर मामले में कार्यवाही की मांग की है।

लकड़ी के नीचे दबकर मजदूर की मौत

रेउसा (सीतापुर)। थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर के ट्राला पर लकड़ी लाद रहे 35 वर्षीय मजदूर के ऊपर लकड़ी की एक सिल्ली गिरने से नीचे दबकर दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने पुलिस को बगैर सूचना दिए अंतिम संस्कार कर दिया। मुगलन पुरवा गाँव के समीउल्लाह 35 पुत्र खिजार खान ट्राला पर लकड़ी की सिल्ली लाद रहा था। एक सिल्ली उसके ऊपर गिरी जिसके नीचे दबकर मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर मौजूद मजदूरों ने सिल्ली को हटाया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। गांव के मैनुद्दीन के ट्रैक्टर ट्राला पर मजदूरी करने के लिए जिला अमेठी गया हुआ था। जहां ट्राला पर अन्य मजदूरों के साथ लकड़ी की सिल्ली लाद रहा था। वहीं उसकी मौत हो गई बुधवार की सुबह मृतक का शव गांव पहुंचा तो परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। पुलिस को बगैर सूचना दिए सुलह समझौता कर मृतक के शव को दफना दिया गया।

चुनाव जीतने के लिए प्रत्याशी कर रहे तरह तरह के उपाय

बिसवा नगर (सीतापुर)। नगर पालिका चुनाव नजदीक आने के साथ–साथ चुनावी प्रचार–प्रसार तेजी से रफ्तार पकड़ने लगा है। नगर पालिका अध्यक्ष पद के मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे प्रत्याशियों के दिलों की धड़कनें भी तेज रफ्तार पकड़ रही हैं। अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्याशियों की ओर से कहीं चुनावी फंदे तो कहीं सादगी के साथ विकास के वायदे तो कहीं कुछ प्रत्याशी सिर्फ सोशल मीडिया पे ही अपने वादों का बखान करते नजर आ रहे हैं। अपना चेहरा दिखाना तो दरकिनार शायद ही उनको कोई जानता हो। चुनाव की सरगर्मी बिसवां नगर में तेज होने के साथ कुछ ही संभावित उम्मीदवार व उनके समर्थक सभी उपाय कर रहे हैं व कुछ सिर्फ सोशल मीडिया पे ही अपने प्रचार–प्रसार के दौरान वोटरों को सिर्फ वादों का लालच देकर लुभा रहे हैं।

चाची के घर चावल लेने गई युवती के साथ छेड़छाड़ रिपोर्ट दर्ज

हरपालपुर,हरदोई। थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार की सुबह गांव में अपनी चाची के घर चावल उधार लेने गई युवती के साथ युवक ने दरवाजे पर पकड़कर मारपीट करते हुए छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दे दिया है। हरपालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने थाने में दी गई तहरीर में बताया है। कि बुधवार की सुबह वह अपनी चाची के घर चावल उधार लेने के लिए गई थी। तभी गांव के ही भोला पुत्र तुलाराम ने उसे बुरी नियत से पकड़ लिया। उसके विरोध करने पर उसके साथ मारपीट एवं छेड़छाड़ की घटना को अंजाम देते हुए। आरोपी मौके से फरार हो गया है। हरपालपुर के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर युवती को डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

दिल्ली की जनता ने केजरीवाल के कामों पर मोहर लगाई - सभाजीत सिंह'

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली एमसीडी चुनाव में आम आदमी पार्टी की एकतरफा जीत पर प्रदेश भर में कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की और जश्न मनाया। राजध ानी लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यलय पर कार्यकर्ताओं ने लोगों का लड्डू बांटकर मुंह मीठा कराया और एक दूसरे को बधाई दी इसके साथ ही कार्यकताओं ने जीत की खुशी में ढोल नगाड़ों पर खूब झूमें । चुनाव परिणाम देखने के लिये प्रदेश कार्यलय पर सुबह से ही कार्यकर्ता मौजूद थे।सभाजीत सिंह ने कहा कि डब्क् की जीत पर दिल्ली की जनता ने एक बार फिर केजरीवाल के काम पर मोहर लगाई है . बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा सहित तमाम किये गए कई विकास कार्यों से दिल्ली की जनता खुश है । उन्होंने कहा कि डब्क् में पिछले 15 सालों से भाजपा का राज था इन 15 सालों में भाजपा ने भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान स्थापित किये जिसकी वजह से दिल्ली में कूड़े के पहाड़ खड़े हो गए थे इस बार दिल्ली की जनता

ने केजरीवाल पर विश्वास किया है निश्चित रूप से अब दिल्ली साफ स्वच्छ शहर बनेगा। सभाजीत सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पार्टी निकाय चुनाव सभी सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी, जीत से मिली ऊर्जा से कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा है, कार्यकर्ता घर–घर जाकर केजरीवाल की उपलब्धियां लोगों को बताएंगे और अपील करेंगे कि निगमों में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए एक मौका आम आदमी पार्टी को दें।

बावन कस्बे में चोरों का आतंक, 48 घंटे में दो घटनाओं को दिया चोरों ने अंजाम

बावन,हरदोई। कस्बा बावन में चोरों के हौसले बुलंद,चोर घर के बाहर खड़ी दो पहिया वाहन मोटरसाईकिल को चोरी कर ले गए। इसकी शिकायत वाहन मालिक बावन निवासी अभिषेक बाजपेई ने बावन चौकी में की। अभिषेक ने बताया कि सोमवार को मोटरसाइकिल क्रमांक यूपी 30 ी 1834 घर के बाहर खड़ी की थी। थोड़ी देर बाद घर के बाहर आकर देखा तो बाइक नहीं मिली। आसपास तलाशने पर भी जब बाइक का पता नहीं चला तो चौकी में आवेदन सौंपकर अज्ञात चोर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। वहीं दूसरे गांव निजामपुर में चोरों ने भोलेशंकर मंदिर से दो घंटे पार कर दिए मंदिर की देखरेख करने वाले श्रीराम यादव ने बताया कि रात के बारह बजे तक मंदिर में घंटा बंधे थे शुबह देखा मंदिर में घंटा ना होने से दंग रह गए।

ज्यादातर सड़कें टूटी और बेहाल लोगों का निकलना दूभर

हरदोई। जिले में नगर निकाय चुनाव का आरक्षण जारी हो चुका है।जिसके बाद राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो चुकी है। ज्यादातर नेता चुनावी बिसात बिछाने में लगे हैं।तो वहीं धरातल की बात करें तो मोहल्ले की जनता इस नगर की सरकार से बेहद नाराज है। नागरिकों का कहना है कि नगरपालिका ने विकास का कोई कार्य नहीं कराया ज्यादातर सड़कें टूटी पड़ी है।नाली बजबजा रही है।साफ सफाई के नाम पर महज खानापूर्ति हो रही है। और सड़क का यह हाल है।अगर लोग संभल कर न चले तो नीचे गिर पड़े। इससे लोगों में खासा गुस्सा और रोष भी है।उन्होंने इस बार नगर निकाय चुनाव में वोट न करने की भी बात कही है। भ्रष्टाचार के मसाले से बनी ज्यादातर सड़कें बेहाल है। वार्ड नंबर 7 में जहां जिले के बड़े भाजपा नेता के सगे भाई है। राजीव सिंह सभासद निर्वाचित हुए थे। यहां के रहने वाले ललित अग्निहोत्री रीता सिंह छोटी बिटिया राकेश राजू विनय ललित सत्येंद्र आदि ने बताया कि जहां सड़क कई साल पहले बनी थी।

एसडीएम ने विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

मिल्कीपुर–अयोध्या। तहसील मिल्कीपुर अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय मीठे गांव का बुधवार को उप जिलाधिकारी अमित कुमार जयसवाल ने औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पठन–पाठन करने वाले नौनिहाल छात्र छात्राओं के साथ मध्यान्ह भोजन कर उसकी गुणवत्ता परखी। मिल्कीपुर शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय मीठे गांव का एसडीएम मिल्कीपुर अमित कुमार जयसवाल ने औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान बच्चों की उपस्थिति पंजिका, मिड डे मील रजिस्टर समेत विद्यालय से संबंधित अन्य रजिस्टरों का अवलोकन किया। विद्यालय परिसर में चारों ओर गंदगी फैली हुई थी विद्यालय परिसर में गंदगी देखते हुए एसडीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जब ग्राम पंचायत में सफाई कर्मी नियुक्त किए गए हैं तो ऐसी दशा में विद्यालय परिसर को साफ सुथरा क्यों नहीं रखा जा रहा है। साफ सफाई करवाने का निर्देश देते हुए कहा कि यह दोबारा विद्यालय परिसर में गंदगी फैली दिखी तो संबंधित लोगों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी। इतना ही नहीं एसडीएम साहब ने मिड डे मील की गुणवत्ता देखने के लिए नौनिहाल छात्र–छात्राओं के साथ पंक्ति में बैठकर मध्यान भोजन किया। एसडीएम ने विद्यालय में तैनात रसोइयों एवं अध्यापकों से कहा कि नौनिहाल छात्राओं के मध्यान भोजन में किसी प्रकार की लापरवाही कभी भी नहीं करना चाहिए इन्हीं छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उप जिला अधि ाकारी ने बताया कि मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं थी, रसोइयों एवं अध्यापकों का कहना था कि हैंडपंप से पानी के साथ बालू केकड़ा रहे थे फिलहाल मैंने ग्राम प्रधान एवं सचिव को निर्देशित कर दिया है कि जल्द से जल्द हैंडपंप को ठीक कराया जाए। निपुण भारत एसेसमेंट में विद्यालय के 4 छात्रों का प्रदर्शन ठीक रहा विद्यालय के छात्र छात्राओं से हिंदी गणित अंग्रेजी में प्रश्न पूछे गए बच्चों द्वारा उसके सही उत्तर भी दिए गए।

राष्ट्रीय जेण्डर अभियान के सुचारू क्रियान्वयन के संबंध में बैठक सम्पन्न

सीतापुर। जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय जेण्डर अभियान के सुचारू क्रियान्वयन के संबंध में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि लिंग आधारित हिंसा व्यक्ति के आत्ममूल्य और आत्म सम्मान की भावनाओं को कमजोर करती है। इसके अलावा उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से अधिक से अधिक आत्मनिर्भर बनने एवं स्वरोजगार से जुड़ने तथा सरकार संचालित योजनाओं को अधिक से अधिक लाभ दिये जाने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सशक्त बनेगी तो लिंग आधारित हिंसा से बचेंगी। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है, सिर्फ उनके मनोबल को और अधिक बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि जो भी महिलाएं जिन कार्यों में कार्यरत हैं उनके प्रतिनिधि उपस्थित न होकर स्वयं ही प्रतिभाग करें। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से अपील की कि इस कार्यक्रम की शुरूआत अपने घरों से ही करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वतंत्र विचारधारा की छूट दी जाये ताकि वह अपने विचारों को सबके सामने प्रस्तुत कर सकें।

इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को शपथ भी दिलायी कि मैं स्वीकार करता करती हूँ कि लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा मौलिक मानवाधिकारों का उल्लंघन है और सम्मान के साथ जीवन जीने से वंचित करता है। मुझे एहसास है कि हिंसा किसी भी जगह और किसी भी रूप में हो सकती है और यह किसी व्यक्ति के विकास और जीवन की गुणवत्ता को सीमित करती है। मैं लिंग आधारित भेदभाव या हिंसा को अनुभव करने वाले सभी लोगों का साथ देने, आवाज उठानें, समर्थन करने और एकजुट रहने की आवश्यकता को समझता समझती हूँ।

पिछड़ा वर्ग के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने को ले मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना की तैयारी

लखनऊ। पिछड़ा वर्ग कल्याण की कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत ट्रेनिंग प्राप्त करके रोजगार पाने या आत्मनिर्भर बनने वाले युवाओं की सूची बनाने के लिए संस्थाओं के प्रतिनिधि ायों को निर्देशित किया जाये। कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना का लाभ अधिक से अधिक बच्चों को मिले इसके लिए बजट का प्रस्ताव भेजा जाये। यूपी बोर्ड में कक्षा 10 व12 उत्तीर्ण अन्य पिछड़ा वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना के तहत सम्मानित एवं उत्साहवर्धन करने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। समाज से जुड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं में पहले से अच्छा करने के लिए कार्य किया जाये। उक्त बातें प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय समीक्षा बैठक में कहीं। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने बुधवार को विधानसभा स्थित नवीन भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के द्वारा दी जा रही छात्रवृत्ति योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इसके पश्चात कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं के कार्यक्रमों की सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रसारित की जाये। विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी डिजिटल रूप से कराने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। दिव्यांगजन मंत्री ने दिव्यांगजन विभाग में किये जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों को पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाये तथा दिव्यांगजनों के हितों के लिए कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि दिव्यांगजनों के द्वारा बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी जाये तथा उन्हें प्रोत्साहित भी किया जाये। मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने डॉ. शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ में दिव्यांगजनों छात्रों का अधिक से अधिक पंजीकरण कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में प्रदेश सरकार के सहयोग से दिव्यांग विद्यार्थियों को निरूशुल्क शिक्षा, छात्रावास एवं भोजन की व्यवस्था उपलब्ध करायी जा रही है। डॉ. शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ में दिव्यांगजनों के लिए विभिन्न पाठयक्रम संचालित किये जा रहे है। वहीं, विश्वविद्यालय में समस्त पाठ्यक्रमों में 50 प्रतिशत सीटे दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित हैं, जिसमें से 50 प्रतिशत अर्थात कुल सीट का 25 प्रतिशत दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए आरक्षित किया गया है।

झुनझुनवाला कालेज में आयोजित खेल प्रतियोगिता

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या । झुनझुनवाला ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यट अयोध्या में 25 वर्षो से आयोजित हो रही वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं के क्रम में महाविद्यालय के चेयरमैन लक्ष्मीकान्त झुनझुनवाला एवं मुख्य अतिथि जिला क्रीडा अधि ाकारी चंचल मिश्रा व उपजिला क्रीडा अधिकारी इरफान अहमद महाविद्यालय की निदेशिका श्रीमती मीनाक्षी मोदी, निदेशक गिरिजेश त्रिपाठी व आशुतोष त्रिपाठी ने गुब्बारे छोडकर वर्ष 2022 की वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया।

बालक वर्ग कबड्डी का फाइनल मैच तक्षशिला व नालन्दा हाउस के मध्य खेला गया जिसमें नालन्दा हाउस विजेता तथा तक्षशिला उपविजेता घोषित हुआ। बालिका वर्ग में एलोरा एवं नालन्दा के मध्य खेले गये मैच में नालन्दा हाउस विजेता तथा एलोरा उपविजेता रहा। वालीवाल बालक वर्ग के फाइनल मैच में तक्षशिला हाउस विजेता और नालन्दा हाउस उपविजेता रहा। बालिका वर्ग वालीवाल में नालन्दा हाउस विजेता और एलोरा हाउस की टीम उपविजेता रही।

बैडमिंटन बालक वर्ग का मैच नालन्दा व अजन्ता के बीच खेला गया जिसमें नालन्दा की टीम विजेता रही इसके साथ ही बैडमिंटन महिला वर्ग में तक्षशिला हाउस विजेता और नालन्दा की टीम उपविजेता रही। फुटबाल बालक वर्ग का फाइनल मैच एलोरा एवं अजन्ता के मध्य खेला गया जिसमें अजन्ता टीम विजेता रही महिला फुटबाल टीम के फाइनल मैच में नालन्दा हाउस ने तक्षशिला हाउस को हराकर फुटबाल मैच जीता। बालक वर्ग खो–खो में तक्षशिला हाउस की टीम एलोरा हाउस की टीम को हराकर विजेता बनी। खो–खो बालिका वर्ग के फाइनल मैच में नालन्दा हाउस की टीम तक्षशिला को हराकर विजेता बनी।

महिला की हत्या का एक और आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। गुजैनी निवासी सुशीला की हत्या में पुलिस ने बुधवार को फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया। गुजैनी थाना अंतर्गत बर्रा–आठ निवासी सुशीला अपने परिवार संग रहती थीं। पति उनसे अलग रहते हैं। बीते गुरुवार को रात करीब आठ बजे सुशीला घर से निकली थी, वापस नहीं लौटी थीं। दूसरे दिन बिधनू में उनका शव पड़ा मिला था। बीते शनिवार को शव की शिनाख्त हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला था कि गोली मारकर सुशीला की हत्या की गई थी। वारदात में वरुण विहार बर्रा निवासी प्रेम केसरवानी और पनकी निवासी उसके साथी राजेश गौतम को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रेम ने राजेश को 70 हजार रुपये में सुशीला की हत्या की सुपारी दी थी। सुशीला का प्रेम से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सुशीला शादी के लिए दबाव बना रही थीं, जबकि वह शादी नहीं करना चाहता था। इसी बात को लेकर एक दिन विवाद हुआ।

छात्रों को दिलाई सड़क सुरक्षा जागरूकता की शपथ

लखनऊ। राजधानी में आए दिन होने वाले सड़क हादसों क ो ध यान में रखते हुए नगर आयुक्त के निर्देश पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत नगर निगम द्वारा संचालित अमीनाबाद इण्टर कॉलेज एवं कान्हा उपवन के गौ सेवकों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए चलाये जा रहे कान्हा उपवन विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को

अमीनाबाद इण्टर कॉलेज परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर चित्रकला तथा स्लोगन प्रतियोगिता भी कराई गई जिसमें कान्हा उपवन विद्यालय के करीब 80 बच्चों तथा अमीनाबाद इण्टर कॉलेज के लगभग 1000 छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए मनमोहक चित्रों व स्लोगन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। इस सम्बन्ध में छात्रों को यह भी निर्देशित किया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र के छात्र दोपहिया वाहन का संचालन नहीं करेंगे। वहीं,18 वर्ष से अधिक उम्र के छात्र जिनके पास लाइसेंस हो और हेलमेट लगाकर ही आयेंगे उन्हीं छात्रों को विद्यालय में प्रवेश की अनुमति दी जायेगी। इस दौरान छात्रों को इसके लिए अपने अभिभावकों को भी प्रेरित करने के लिए कहा गया। कक्षाध्यापकों द्वारा तथा विद्यालय की समस्त कक्षाओं के सोशल मीडिया ग्रुपों पर भी इस सम्बन्ध में अभिभावकों व छात्रों को सूचित किया गया। कार्यक्रम में साहब लाल मिश्र,प्रधानाचार्य अमीनाबाद इण्टर कालेज समेत सभी शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे।

बड़े बकायेदारों के खिलाफ अभियान चलाकर वसूली कार्यों में लायें तेजी- जिलाधिकारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मऊ। बुधवार को जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कर प्राप्तियो पर विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान आबकारी, विद्युत, परिवहन, खनन आदि में लक्ष्य के सापेक्ष कम प्राप्तियो पर जिलाधिकारी ने इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। जनपद स्तर पर 10 बड़े बकायेदारों से वसूली की चर्चा के दौरान जिलाधिकारी ने इनके खिलाफ अभियान चलाकर वसूली कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने इनके चल एवं अचल संपत्तियों को यथाशीघ्र कुर्क एवं नीलामी की प्रक्रिया अपनाकर वसूली कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियो को निर्देश दिये कि निर्धारित कार्यों को समय से गुणवत्तापूर्ण ढंग पूर्ण करें अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। समीक्षा बैठक के दौरान सदर तहसील में राजस्व वसूली सहित अन्य कार्यों में धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुऐ जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर से

स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होने जन समस्याओं के निराकरण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समाधान समय सीमा के अन्तर्गत नही होने पर शिकायतो का निस्तारण समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने के भी निर्देश दिये। आडिट आपत्तियो की समीक्षा के दौरान आपदा, भूलेख, बन्दोवस्त अधिकारी चकबन्दी आदि के यहॉ ज्यादा आपत्तियॉ लम्बित पायी गयी। जिलाधिकारी द्वारा ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक तहसील से तीन–तीन ऐसे लेखपालो की सूची उपलब्ध कराये, जिनके यहॉ हैसियत प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र के निस्तारण हेतु सबसे ज्यादा प्रकरण लम्बित है। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, कृषि भूमि के पट्टो से अवैध कब्जेदारो को हटाकर वास्तवित पट्टेदारों को दिलाने, ग्राम सभा कृषि भूमि के पट्टेदारो की पट्टा भूमि पर अवैध कब्जा करने वालो के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही आदि पर विस्तृत समीक्षा की गयी। उन्होने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में निस्तारण आख्या को गुणवत्तापूर्ण ढंग से लगाने एवं इस संबंध में शिकायतकर्ता से बात करने को कहा एवं शिकायतकर्ता के संतुष्टि के उपरांत ही जांच आख्या लगाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत दुर्घटना के उपरांत किसानों को मिलने वाले मुआवजे का भुगतान यथाशीघ्र कराने के भी निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। इस दौरान उन्होंने ने अवैध अतिक्रमण एवं नए भू माफियाओं का चिन्हीकरण कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को भी कहा। बैठक के दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, समस्त उप जिलाधिकारी,समस्त तहसीलदार सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएपी की मारामारी जारी, महज चार समितियों में बंटी खाद

चित्रकूट । डीएपी खाद की किल्लत इन दिनों बढ़ती ही जा रही है। जिले के मात्र चार सहकारी समितियों में खाद का वितरण किया गया। अन्य सहकारी समितियों में खाद का वितरण न होने से किसान निराश होकर घर लौट गए। जिन सहकारी समितियों में खाद का वितरण हुआ वहां किसानों की भारी भीड़ लगी रही। नियंत्रण के लिए पुलिस तैनात रही।डीएम अभिषेक आनंद ने कहा कि सभी किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाएगी। खाद की कालाबाजारी करने वालो पर कार्रवाई होगी। जिले के कर्वी सहकारी समिति, हन्नाविनैका, बरद्वारा व अर्की सहकारी समितियों में ही खाद बांटी गई। जहां किसान सुबह से खाद लेने के लिए लाइन में लगा रहा। महिला किसान भी शामिल रहीं। यहां सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहा। अन्य समितियों में खाद न मिलने से किसान निराश होकर लौट गए। मऊ क्षेत्र के गाहुर, बरगढ़, पूरबपताई, खंडहा, की सहकारी समितियों में सुबह से ही किसान खाद लेने के लिए पहुंच गए थे। जहां खाद न मिलने से निराश होकर लौट गए।मानिकपुर क्षेत्र के सरैंया, भौंरी में भी खाद किसानों को नहीं मिली।

20 दिसंबर को मथुरा पहुंचेगी प्रदेश कांग्रेस की 'भारत जोडो यात्रा'

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मथुरा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने से पहले कांग्रेसी यात्रा के लिए माहौल बनाने में जुट गए हैं। राहुल गांधी की यात्रा इस समय पड़ोसी राज्य राजस्थान में चल रही है। प्रदेश कांग्रेस संगठन यात्रा के यूपी में प्रवेश करने से पहले बरेली से लेकर मथुरा तक भारत जोड़ो यात्रा निकालेगा। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। कांग्रेस जिला कार्यालय पर हुई बैठक में यात्रा को लेकर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी मथुरा के अध्यक्ष चौधरी भगवान सिंह वर्मा ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को जो हिंदी भाषी राज्यों में प्रवेश कर चुकी है और अब उत्तर प्रदेश में आने वाली है। उससे पहले प्रदेश नेतृत्व उत्तर प्रदेश के बरेली शहर से आगामी 10 दिसम्बर को एक भारत जोड़ो यात्रा आरंभ करने जा रहा है, जो बरेली से मथुरा तक आयोजित होगी। इस यात्रा का समापन 20 दिसम्बर को मथुरा में रैली कर एक विशाल जनसभा के साथ संपन्न होगा। सभी कांग्रेसी इस यात्रा में बरेली से जुड़कर इस यात्रा को

सफल बनाने का प्रयास करें व अपने जनपद में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक कर इस यात्रा को सफल बनाएं। सभी पदाधिकारियों को रैली को सफल बनाने के लिए अलग अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि हम अगर ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तभी हम राहुल गांधी की भारत छोड़ो यात्रा के उद्देश्य को पूर्ण कर सकते हैं। प्रदेश युवक कांग्रेस के उपाध्यक्ष यतेंद्र मुकदमा ने कहा कि जो लोग इस यात्रा में जाना चाहते हैं वह अपना फोटो फोन नंबर और नाम जिला अध्यक्ष को लिखा दें। यह यात्रा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के समर्थन में जन जागरण के लिए निकाली जाएगी। राहुल चतुर्वेदी, रमेश कश्यप, मनोज शर्मा, संजीव चतुर्वेदी, राजू अब्बासी, दिनेश जैन, राहुल अरोरा, लता चौहान, कुश कुमार सिंह, वरुण अरोरा, बंटी गौतम, प्रदीप सागर, पार्षद तिलक वीर सिंह, संतोष पाठक, विनय शुक्ला, रोशन लाल, साहब सिंह प्रधान, विनय शुक्ला, अरुण गौतम, जगजीत चौधरी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरे

सैनिकों की याद में मना सशस्त्र सेना झंडा दिवस

चित्रकूट । सशस्त्र सेना झंडा दिवस का शुभारंभ जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल अवधेश सिंह ने जिला जज विष्णु कुमार शर्मा और अपर जिलाधिकारी कुंवर बहादुर सिंह को प्रतीक झण्डा लगाकर किया। इस दौरान जिला जज और अपर जिलाधिकारी ने दान पात्र में स्वैच्छिक दान किये। इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट्स एवं पूर्व सैनिकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों की वीर नारियों, अपंग सैनिकों व दीनहीन भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं आश्रितों के सहायता के लिए इस राष्ट्रीय पर्व में अधिक से अधिक दान दे।

पति-पत्नी का विवाद समाप्त करा परिवार को टूटने से बचाया

चित्रकूट । पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देश पर सामाजिक रिश्ते को बचाने के लिए पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र टीम ने पति–पत्नी के आपसी झगड़े को समाप्त कराकर दम्पत्ति जोड़े में सुलह कराते हुये शादी के अटूट बंधन को टूटने से बचाया।पीड़िता सोना पत्नी छोटा भइया यादव उर्फ अजय यादव पुत्री मोतीलाल यादव निवासी कसहाई ने दिये पत्र में बताया कि पति अजय यादव एवं ससुरालीजन लडाई झगड़ा व मारपीट करते हैं। दहेज की मांग करते है एवं ससुराल में अपने साथ नही रख रहे है। परिवार परामर्श केंद्र ने पीड़िता की शिकायत को विस्तार पूर्वक सुनकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हे पुलिस कार्यालय परिवार परामर्श केंद्र बुलाया। दोनो पक्षों को समझाया गया। दोनो पक्षों ने भविष्य में आपस में लड़ाई झगड़ा न करने तथा पति–पत्नि के कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। आपसी सुलह होने पर परिवार परामर्श केंद्र ने दोनो को साथ–साथ आपस में सामन्जस्य बिठाकर एवं परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने की सलाह दी। टीम में महिला आरक्षी रक्षा यादव, महिला आरक्षी दीपिका गौर व महिला आरक्षी सुरूचि चौधरी मौजूद रहीं।

अवैध पिस्टल व कारतूस के साथ एक शातिर व्यक्ति गिरफ्तार

मऊ। थाना मधुबन पुलिस द्वारा मंगलवार को सायंकाल देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान चचाईपार नहर पुलिया के पास से आशुतोष सिंह उर्फ गोलू पुत्र आनन्द कुमार सिंह निवासी अलीनगर थाना सरायलखंसी मऊ के कब्जे से एक अदद अवैध पिस्टल 32 बोर व एक अदद जिंदा कारतूस 32 बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 471,22 धारा 3,25 आयुद्ध अधिनियम में अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

एक वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा बुधवार को देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर सरसेना तिराहे के पास से मु0अ0सं0 160,22 धारा 363 भादवि में वांछित अभियुक्त अभिषेक पुत्र जनार्दन निवासी चन्द्रावती थाना चिरैयाकोट मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

ताजिया का रास्ता खोले जाने की गांव के कुछ लोगों द्वारा की गई मांग

पट्टी – प्रतापगढ़ । पट्टी तहसील क्षेत्र के रायगढ़ व पूरे भीखा गांव से होकर ताजिया का रास्ता बना था जिस पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा करने पर गांव के निवासी बशारत अली द्वारा उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया है कि बगल के चकदारो द्वारा रास्ते पर अवैध कब्जा कर लिया गया है।इसके संबंध में सन 2016 में उप जिलाधिकारी पट्टी कोतवाल पट्टी की उपस्थिति में कई बार पंचायत हुई थी।आपसी सहमति से रास्ते को बना दिया गया, लेकिन चकदारो व ताजियादारो के आपसी रंजिश के कारण फिर से पूर्व की स्थिति बन गई है। जिसके फलस्वरूप ताजिया निकलने के समय समस्या उत्पन्न हो जाती है। लोगों ने प्रार्थना पत्र देकर इसका स्थाई समाधान निकालने की मांग की है।

मारपीट में चार घायल

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के टेंगाई गांव में आपसी विवाद में चार लोग घायल हो गए जिन्हे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टेंगाई के प्रेम चंद्र भारतीय का जमीन को लेकर गांव के ही से विवाद चल रहा था । मंगलवार की रात्रि इसी को लेकर दोनों में विवाद होने लगा । जिसमें विपक्षी ने परिवार के साथ मिलकर लाठी डंडों से प्रेम चंद्र पर हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया ।प्रेमचंद्र को बचाने के लिए स्वजन सीमा देवी, अनुसुइया, सुमित्रा देवी भी घायल हो गई। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आरक्षण जारी होते ही टिकट के लिए मची होड़, दावेदार लगा रहे पूरा जोर

कौशाम्बी। नगर निकाय चुनाव के लिए अध्यक्ष पद की सीटों का आरक्षण तय होने के बाद दावेदारों में टिकट को लेकर होड़ मची है। प्रबल दावेदारों ने अपनी–अपनी पार्टियों के शीर्ष नेताओं से संपर्क साधने में जुट गए हैं। टिकट को लेकर एड़ी चोट का जोर लगाकर जीतने का दावा कर रहे है।नगर निकाय चुनाव को लेकर अध्यक्ष पद पर आरक्षण तय हो गया है। करारी नगर पंचायत अध्यक्ष पद की सीट सामान्य हो गई है। सामान्य सीट होने से सभी दावेदारों की किस्मत आजमाने का रास्ता साफ हो गया है। अब सिर्फ टिकट सामने समस्या है। टिकट के लिए सभी दावेदार पार्टी के शीर्ष नेताओं से संपर्क कर रहे है। उन्हें विश्वास में लेकर बताया जा रहा है कि यह चुनाव वह जीत सकते है। नगर में अपनी स्वच्छ छवि भी बताना नही भूल रहे है।

छात्रों के बीच घुल मिल गए अभिनेता, छात्रों की मांग पर लगाए ठुमके

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मथुरा। अपनी नई फिल्म 'मारीच' के प्रमोशन के लिए संस्कृति विश्वविद्यालय पहुंचे सिने कलाकार तुषार कपूर और सीरत कपूर हजारों विद्यार्थियों के बीच अपनी खुशी को काबू नहीं रख सके और युवा दिलों की मांग पर जमकर ठुमके। संस्कृति विवि के विद्यार्थियों से उन्होंने अपनी फिल्म देखने का वादा भी लिया। पत्रकारों से वार्ता करते हुए फिल्म 'मारीच' के प्रमोशन के लिए विवि पहुंचे तुषार कपूर और सीरत कपूर ने बताया कि मारीच एक सस्पेंस मूवी है, जिसमें हत्यारे को उसके कई मुखौटे होने के कारण पहचानना अंत तक मुश्किल होता है। उन्होंने बताया कि फिल्म का नाम बस एक सिंबोलिक है, इसका बहुत ज्यादा पौराणिक कथा से मतलब नहीं है। बुधवार को 'मारीच' के मुख्य कलाकार तुषार कपूर और

सीरत कपूर संस्कृति विश्वविद्यालय पहुंच गए। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता से मुलाकात के बाद ये कलाकार सीधे संस्कृति विवि के मुख्य मैदान में स्थित मंच पर पहुंच गए।हिंदी फिल्मों में 'मारीच' फिल्म से एंट्री कर रहीं खूबसूरत अदाकारा सीरत कपूर स्टेज पर आते ही विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र बन गईं। विद्यार्थियों की जिद और चांसलर डा. सचिन गुप्ता के अनुरोध पर तुषार कपूर ने अपनी प्रसिद्ध फिल्म गोलमाल के कुछ डायलॉग जो गूंगे बनकर बोले थे, पूरी अदाकारी के साथ प्रस्तुत किए। इसी बीच साउंड सिस्टम पर 'मारीच' के गाने बज उठे और तुषार व सीरत गानों पर जैसे ही थिरके छात्र छात्राओं में जोश आ गया। सीरत ने बताया कि वे दिल्ली की हैं और यहां आकर उन्हें अपने घर जैसा ही महसूस हो रहा है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 40 हजार ठगे

चित्रकूट। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नौकरी दिलाने के नाम पर खुटहा प्रधान व उसके साले ने दंपती से 40 हजार रुपये ठग लिए है। आरोप लगाया कि न तो अभी तक नौकरी मिली और अब रुपये भी लौटाने से इंकार कर रहे हैं। पीड़ित दंपती ने एसपी को पत्र देकर रुपये दिलाने की मांग की है।

बुधवार को सदर कोतवाली क्षेत्र के खुटहा गांव निवासी प्रेमबाबू व उसकी पत्नी गौरादेवी ने बताया कि आंगनबाडी सहायिका की नौकरी दिलाने का ग्राम प्रधान चंद्रशेखर कोटार्य व उनके साले सरवन ने वादा किया। आरोप लगाया कि इसके लिए उससे 60 हजार रुपये की मांग की।

गांव के कुछ और लोगों से इन्होंने नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये लिए हैं। जेवर गिरवी रखकर उन्होंने 40 हजार रुपये प्रधान व उसके साले को दिए। आरोप लगाया कि अब छह माह से ज्यादा का समय होने के बाद भी नौकरी नहीं मिली। रुपये लौटाने की बात कहने पर धमकी दी जा रही है।

मर्यादा का जीवन ही मनुष्य के लोक मंगल का प्रतीक-अतुल जी

लालगंज, प्रतापगढ़ । नगर पंचायत के दीवानी वार्ड मनीपुर में हो रही श्रीमदभागवत कथा विश्राम दिवस पर बुधवार को भक्ति संगीत की अनुपम प्रस्तुतियों के बीच गोविन्द राधे की महिमा का बखान हुआ। कथाव्यास प्रयागराज श्रृंगवेरपुर से पधारे अतुल जी महराज ने कहा कि जिस दिन मनुष्य दैहिक मोह तथा अपने विकार से स्वयं को मुक्त कर लेता है उसी दिन उसे परमात्मा की प्राप्ति की अनुभूति हो जाया करती है। उन्होनें कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन जीने का सबसे बडा संदेश मर्यादा के जीवन का दिया। उन्होने कहा कि मानव शरीर जब तक मर्यादा की रेखा में रहती है तब तक उसका समाज मे गुणगान होता रहता है। मर्यादा की रेखा से बाहर आने पर वह चाहे पुरूष हो अथवा नारी उसका लोक जीवन कलंक के अभिशाप से ग्रसित हो उठता है। उन्होने श्रद्धालुओं को समझाया कि मर्यादा से एक बार बाहर आ जाने पर दोबारा जीवन में उसे मर्यादा का अलंकरण नही मिल पाता। अतुल जी महराज ने कहा कि गोविंद ने रासलीला में भी गोपिकाओं को उनके पतित्व धर्म की मर्यादा का साक्षात बोध कराया है। भगवान की प्राप्ति के लिए मनुष्य को सदैव अपने कर्म की सुचिता के प्रति सावधान रहना चाहिए। कथा के दौरान महिलाओं द्वारा प्रभु संकीर्तन और भागवत भगवान की मंगल वंदना से कथास्थली भक्तिभावना मे गुंजायमान हो उठी। कथा के संयोजक पं. भगवत प्रसाद मिश्र एवं उर्मिला मिश्रा ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। पं. गिरीश मिश्र व पं. माताफेर मिश्र तथा देवी प्रसाद मिश्र ने कथाव्यास को सम्मानित किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मानसमराल पं. रामफेर पाण्डेय, उमाशंकर मिश्र, नरेन्द्र नारायण तिवारी, साधना तिवारी, नवीन शुक्ला, उदयशंकर दुबे, केडी मिश्र, बृजेश द्विवेदी, मनीष मिश्र, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल महेश, आचार्य दिवाकर शुक्ल, दयाशंकर तिवारी, कंचनलता, सुधा मिश्रा, ज्योति, मंजू शुक्ला, भाग्यश्री, मुन्ना शुक्ला, शिवदर्शन त्रिपाठी, करूणाशंकर मिश्र, जमुना प्रसाद तिवारी, रमाशंकर मिश्र, आचार्य प्रमोद मिश्र, अजय मिश्र आदि रहे।

पुलिस ने 24 घंटे में खोरी चोरी की घटना

मथुरा। पुलिस द्वारा 24 घण्टे के अन्दर चोरी की घटना का सफल अनावरण करते एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थाना महावन पुलिस ने उजाला पुत्र रामबाबू निवासी मोहल्ला व्यापारियान कस्बा व थाना महावन को ओमी की बगीची के पास से चोरी के माल व अवैध असलाह के साथ गिरफ्तार किया। रात को मोहल्ला ऊपरकोट महावन निवासी दाऊजी द्वारा घर में घुसकर सोने व चांदी के जेवरात एवं 2200 रुपये चोरी हो जाने के सम्बन्ध में धारा 380 आईपीसी में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। आरोपित के खिलाफ थाना महावन में चार मुकदमा दर्ज हैं। इसके पास से पुलिस ने एक कोंदनी सफेद धातु की, तीन हाफ कोंदनी सफेद धातु की, दो लच्छे वजनी सफेद धातु के, दो पाजेब टुटी सफेद धातु, एक जोडी पाजेव सफेद धातु, एक जोडी तौडिया सफेद धातु, एक जोडी तौडिया सादा सफेद धातु, एक जोडी तौडिया बच्चा की सफेद धातु, एक जोडी झुमकी पीली धातु, तीन अंगूठी, जंजीर, पेन्डल, जंजीर तथा 2200 रूपये नकद बरामद किए हैं।

मासूम का शरीर नोंचते रहे कुत्ते, सिर के पीछे दौड़ती रही पुलिस

मेरठ। प्रीत विहार दिल्ली से अगवा किए गए पांच साल के मासूम मानव की मेरठ में हत्या कर दी गई। मंगलवार को इंचौली थाना क्षेत्र के मवाना रोड स्थित नंगली ईशा गांव के जंगल में बच्चे का शव मिला। इसे कुत्ते नोंच रहे थे। कुत्तों ने सिर और एक हाथ धड़ से अलग कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, दिल्ली के प्रीत विहार से 30 नवंबर को दीपक (19) ने पड़ोसी हीरालाल के मासूम बेटे मानव को अगवा किया था। पुलिस ने आरोपी दीपक को सोमवार दोपहर में गिरफ्तार कर लिया। मेरठ में मवाना रोड स्थित नंगली ईशा गांव के जंगल में आरोपी की निशानदेही पर शव टुकड़ों में बरामद किया। घटना के बारे में आरोपी ने अभी कुछ स्पष्ट नहीं किया है। आशंका जताई जा रही है कि तांत्रिक क्रिया के लिए बच्चे की बलि दी गई है।

यह मंजर रूह कंपा देने वाला था। नंगली ईशा गांव में जंगल में हत्या कर फेंके गए बच्चे मानव के शव को टुकड़ों में देखकर पिता हीरालाल का कलेजा कांप उठा। मंगलवार सुबह क्षत–विक्षत शव का दृश्य देखना मुश्किल हो रहा था। कुत्ते शव नोंच रहे थे। एक कुत्ता सिर को मुंह में लेकर जंगल में करीब 30 मिनट तक दौड़ता रहा। देर से पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से खूखार कुत्ते से सिर को छुड़वाया। लोगों में इस बात को लेकर आक्रोश था कि पुलिस समय रहते बच्चे का शव तक सुरक्षित नहीं रख पाई।

मंगलवार सुबह 9रू30 बजे मवाना रोड पर सड़क किनारे ग्राम प्रधान युद्धवीर सिंह के ईख के खेत के कुछ लोगों ने कुत्तों का झुंड देखा। कुत्ते बच्चे के शव को नोंच रहे थे। ग्रामीणों ने यह मंजर देखा तो कुत्तों को दौड़ाया, तभी एक कुत्ता बालक के सिर को मुंह में दबाकर जंगल की तरफ भाग गया। सूचना पर 10:00 बजे इंस्पेक्टर इंचौली पुलिस टीम के साथ पहुंचे।

सामुदायिक शौचालय बाहर से रंगाई - पुताई, अंदर कार्य अधूरा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लालगंज–प्रतापगढ़ । भारत सरकार की स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य तेजी के साथ शुरू कराया गया लेकिन विभागीय लापरवाही व लेटलतीफी के कारण सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य अधूरा ही रह गया है और शौचालय निर्माण कार्य भ्रष्टाचार को भेंट चढ़ गया। भ्रष्टाचार के कारण शौचालय की बाहर से रंगाई–पुताई कर पूरा भुगतान करा लिया गया। शौचालय निर्माण कार्य का आलम यह है कि बाहर से रंगाई–पुताई कराकर भुगतान करा लिया गया और अंदर के हालात यह है कि फर्श, प्लास्टर और टाइल्स, सेनेटरी फीटिंग तक का कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है।रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक के ग्राम कस्बा लतीफपुर के रजैसा उसर बाजार में सामुदायिक

शौचालय का निर्माण करवाया जा रहा हैं जहाँ पर एक वर्ष से ज्यादा समय से कार्य चल रहा था। किन्तु शौचालय का कार्य पूर्ण नहीं हो पाया । सामुदायिक शौचालय के बाहर की रंगाई– पुताई का कार्य किया गया हैं जबकि शौचालय के अंदर फर्स टाइल्स, सेनेटरी फिटिंग प्लैम्बरिंग फिटिंग आदि का कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। विगत छः माह से कार्य बंद पड़ा हुआ हैं। ग्रामीण मेवा लाल, दीपक कुमार, प्रेम कुमार आदि के द्वारा बताया गया कि सामुदायिक शौचालय का कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण बाजार में आये हुए नागरिक एवं समस्त ग्रामीणों को खुले में शौच करना पड़ता हैं । जिला अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया है कि कोई भी सामुदायिक शौचालय का कार्य अधूरा नहीं रहना चाहिए, किन्तु ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम प्रधान द्वारा निर्देश को दरकिनार कर दिया है।

आमने सामने बाइकों में भिडन्त, सवार घायल

कौशाम्बी। कडा धाम कोतवाली क्षेत्र के रसीदमई पुलिया के पास आमने सामने दो बाइको में भिडन्त हो गई जिसमें दोनों बाइकों के सवाल गंभीर रूप से घायल हो गए घायलावस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है थाना क्षेत्र के अंबाई बुजुर्ग गांव के मजरा हुजरा निवासी फैजान पुत्र अशफाक अहमद 20 वर्ष गांव के ही मो जुनैद पुत्र निशार अहमद 22 वर्ष व मो अपसान पुत्र मंसूर अहमद 10 वर्ष के साथ मंगलवार की दोपहर सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के दावतपुर गांव में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था जैसे ही बाइक सवार रसीद मई पुलिया के समीप पहुंचे तभी उनकी भिडंत सामने से आ रहे दूसरे बाइक सवार मो असलम पुत्र मो इस्माइल निवासी घोसियाना मजरा अफजलपुर सातों से हो गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवारों के साथ – साथ घटना स्थल पर ड्यूटी कर रहे पुलिस कर्मी कुलदीप सिंह भी इसकी जद में आ गए और वह भी सड़क किनारे नाले में गिरकर जख्मी हो गए।

फार्मासिस्ट के स्थानांतरित हुए 4 माह बीतने के बावजूद नही चार्ज दिलाने में असफल रहा विभाग

प्रयाग दर्पण संवाददाता

रतनपुरा, मऊ। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के स्थानांतरित चीफ फार्मासिस्ट द्वारा दवाओं का प्रभार अभी तक न सौंपे जाने को लेकर के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासनिक विफलता को मैनेज करने के लिए 5 सदस्यीय टीम द्वारा बुधवार के दिन चार कमरों का ताला तुड़वाया गया। यद्यपि की चीफ फार्मासिस्ट धनंजय तिवारी को स्थानांतरित हुए 4 माह बीत चुके हैं। इसके बावजूद प्रशासनिक अमला दवाओं का चार्ज दिलाने में चीफ फार्मासिस्ट धनंजय तिवारी से विफल रहा। स्टोर में दवाएं बंद पड़ी रहने से अधिकांश कालातीत हो गई। तथा कुछ सड़ गल करके खराब हो गई। इस प्रशासनिक विफलता को छिपाने के लिए लोग एक दूसरे पर जिम्मेदारी का ठीकरा फोड़ रहे हैं। इस बीच 25 नवंबर 2022 को रतनपुरा प्रखंड के गुलौरी ग्राम पंचायत निवासी प्रगतिशील किसान अरुण कुमार सिंह डब्लू के खेत में स्थित कुएं में लगभग 20 बोरी

कालातीत एवं प्रभावी दवाएं फेंकी गई थी। इसके बाद मामला उप मुख्यमंत्री के संज्ञान में गया तो प्रकरण की जांच पड़ताल शुरू हो गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेश अग्रवाल के लिखे निर्देश पर रतनपुरा सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के औषधीय भंडार का ताला तोड़कर के उसकी नई चाभी मौजूदा फार्मासिस्ट दुर्ग विजय सिंह को सौंप दी गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ हंसराज सोनी ने दवाओं वाले 4 कमरों का ताला तोड़वाने के लिए 5 सदस्य टीम गठित की गई। गठित टीम में डॉ फैयाज अहमद, डॉक्टर भैरव पांडेय डॉ पीके सिंह, दुर्ग विजय सिंह चीफ फार्मासिस्ट तथा कमलेश राय फार्मासिस्ट थे। इन सभी सदस्यों की उपस्थिति में अधीक्षक डॉ हंसराज सोनी ने 4 कमरों का ताला तुड़वाया गया। जिसमें मेडिकल ऑफिसर कक्ष, ऑपरेशन थिएटर कक्ष, ऊपरी तल पर पुरुष वार्ड कक्ष, महिला चिकित्सालय का औषधि वितरण कक्ष का पुराना ताला तोड़कर के नया ताला लगवाया गया और उसकी चाभी चीफ फार्मासिस्ट दुर्ग विजय सिंह को चिकित्सा अधीक्षक द्वारा सौंपी गई। ताला तोड़ने की कारवाई दोपहर के 1:30 बजे से लेकर के 2 बजे तक की गई। इस दौरान पूरा स्टाफ इस कार्रवाई को देखने में लगा रहा। बुधवार के दिन ताला तोड़ने की कार्रवाई को लेकर के स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी और कर्मचारी काफी उत्साहित नजर आए लेकिन इन तमाम कवायदो के बावजूद भी स्थानांतरित चीफ फार्मासिस्ट द्वारा व्यापक पैमाने पर की गई लापरवाही के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई इसका उचित जवाब कोई नहीं दे पा रहा है, और न कोई अपनी जिम्मेदारी ले पा रहा है। सभी लोग एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।